डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 81 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार, 28 फ़रवरी 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

खबर संक्षेप

भाजपा अल्पसंख्यक की बैठक में भिड़े कार्यकर्ता

जयपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुई। अध्यक्षता अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के नव-निर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ मौजूद रहे। इस बैठक में कई कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए।

शिमला में छात्रा का अपहरण, मामला दर्ज

शिमला। यहां के एक कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा के अपहरण का मामला सामने आया है। पुलिस ने अपहरण की धाराओं के तहत केस दर्जकर छानबीन शुरू कर दी है। छात्रा के परिजनों ने शिकायत में बताया कि उनकी बेटी निजी कॉलेज में पढ़ती है। मंगलवार दोपहर करीब पौने चार बजे उन्हें अपनी बेटी के नंबर से कॉल आया।

इडली में प्लास्टिक शीट पर 52 होटलों पर केस

बेंगलुरु। आमतौर पर लोग दक्षिण भारतीय व्यंजन इडली को बेहद चाव से खाते हैं लेकिन इसको लेकर कर्नाटक में एक बड़ा खुलासा हुआ है जिसके बाद राज्य सरकार ने 52 होटलों पर कार्रवाई की है। कर्नाटक खाद्य सुरक्षा विभाग ने इसका खुलासा किया है जिससे लोगों को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है।

युवक के 3 टुकड़े कर हिंडन में फेंक दिया

बागपत। मउसे बागपत की महिला के माध्यम से बुलाकर नशीला पदार्थ मिलाकर चाय पिलाई और फिर गर्दन काटकर हत्या कर दी गई। शव के 3 टुकड़े करके बोरे में भरकर हिंडन में फेंक दिए। पुलिस ने फैसल के शव के तीनों टुकड़े बरामद किए।असगर का बेटा कपड़े की दुकान पर नौकरी करता था।

रेल मंत्री वैष्णव तैयारियों की स्वसमीक्षा के लिए प्रयागराज पहुंचे

महाकुंभः असंभव को संभव कर दिखाया भारतीय रेलवे ने मंत्री, कर्मचारी सब 60 दिन तक लगातार जुटे रहे, भिड़े रहे

हरिभूमि ब्यूरो. नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने महाकुम्भ 2025 के लिए भारतीय रेल की व्यापक तैयारियों की स्व-समीक्षा करने के लिए सुबह प्रयागराज का दौरा किया। भव्य धार्मिक समागम के पैमाने और महत्व को पहचानते हुए, उन्होंने जमीनी परिचालन का आकलन करने के लिए उत्तर मध्य रेल (एनसीआर), उत्तर पूर्व रेल (एनईआर) एवं उत्तर रेल (एनआर) के तहत विभिन्न स्टेशनों का दौरा किया। रेलमंत्री ने विभिन्न विभागों के मध्य निर्बाध समन्वय की भी सराहना की और सभी तीर्थयात्रियों के लिए सुरक्षित, कुशल व सुखद यात्रा की सुविधा के लिए भारतीय रेल के सभी कर्मचारियों की पीठ थपथपाई। सभी राज्य सरकारों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर करोड़ो लोगों की आस्था को मंजिल देने में मदद की।

यात्रियों की सहायता करने वाले फ्रंटलाइन कर्मयोगियों से लेकर सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले आरपीएफ, जीआरपी और पुलिस कर्मियों तक, निर्बाध ट्रेन संचालन को बनाए रखने वाले इंजीनियरों से लेकर सफाई कर्मचारियों तक एवं चिकित्सा सहायता प्रदान करने वाले डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ से लेकर यात्रा को सुविधाजनक बनाने वाले हेल्प डेस्क अधिकारियों तथा बुकिंग कर्मचारियों तक - सभी के योगदान को सराहा।

अभूतपूर्व रेल संचालन

भारतीय रेल ने अपनी प्रारंभिक संचालन योजना से कहीं अधिक सेवाएं प्रदान कीं। 17 हजार 152 ट्रेनों का संचालन किया गया, जो कि नियोजित 13 हजार ट्रेनों से अधिक था और पिछले कुंभ की तुलना में चार गुना वृद्धि दर्शाता है। इसमें 7 हजार 667 विशेष ट्रेनें और 9 हजार 485 नियमित ट्रेनें शामिल थीं। 66 करोड़ श्रद्धालु सम्मिलित हुए, जिनमें से प्रयागराज के नौ प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर 4.24 करोड़ यात्रियों के लिए प्रबंधन किया गया।

प्रयागराज क्षेत्र में यात्री सुविधाओं में वृद्धि

भारतीय रेल ने प्रयागराज के नौ प्रमुख स्टेशनों पर व्यापक अवसंरचना और परिचालन संवर्द्धन लागू किया, जिसमें आवागमन को सुव्यवस्थित करने के लिए दूसरा प्रवेश द्वार, 48 प्लेटफॉर्म और 21 फुट ओवर ब्रिज का निर्माण किए गए। अत्याधिक संख्या को नियंत्रित करने के लिए फेशियल रिकॉग्निशन टेक्नोलॉजी और ड्रोन निगरानी सहित 1 हजार186 सीसीटीवी कैमरों के साथ निगरानी को सुदृढ़ किया गया। भीड़भाड़ को प्रबंधित करने के लिए 23 स्थायी होल्डिंग एरिया स्थापित किए गए, जबकि मल्टीलैंग्वेज अनाउंसमेंट और 23 भाषाओं में बुकलेट द्वारा यात्री सुविधाओं को बेहतर किया गया। 151 मोबाइल यूटीएस काउंटर और एक क्यूआर-आधारित प्रणाली सहित 554 काउंटरों के साथ टिकट सुविधाओं का विस्तार किया गया। निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए 21 रोड ओवर और अंडर ब्रिज (आरओबी/आरयूबी) का निर्माण किया गया।

सुदृढ़ चिकित्सा और आपातकालीन तैयारियां

भारतीय रेल ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए एक प्रभावी चिकित्सा और आपातकालीन सहायता प्रणाली लागू की। जिला अधिकारियों के समन्वय में केंद्रीकृत सहायता डेस्क, चिकित्सा सुविधाएं, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड एवं मोबाइल टॉयलेट तैनात किए गए, जबकि स्टेशनों पर अतिरिक्त खानपान सेवाओं की व्यवस्था की गई। यात्रियों के सुचारू आवाजाही को बनाए रखने के लिए, पार्सल यातायात को प्रतिबंधित किया गया और कुशल रूप से कर्मचारियों की तैनाती एवं समायोजन के लिए एक ऐप-आधारित प्रणाली शुरू की गई। रेक, कोच एवं इंजनों की निरंतर निगरानी ने परिचालन दक्षता सुनिश्चित की, जबकि समर्पित प्रयासों से एक महीने के भीतर वाराणसी-प्रयागराज खंड में अंतिम 34 किमी ट्रैक लिंकिंग को तेजी से पूरा करने में मदद मिली।

ऐसे किये रेलवे ने इंतजाम

- सभी मालगाड़ियों को डीएफसी में डायवर्ट किया गया।
- कुम्भ क्षेत्र में +200 रेक उपलब्ध कराए गए, जिसमें दोनों तरफ से ट्रेन सेट या इंजन हैं। (शंटिंग संचालन से बचने के लिए)
- महाकुम्भ क्षेत्र में पिछले 3 वर्षों में 5,000 करोड़ निवेश व विकास कार्य हुआ।
- बनारस-प्रयागराज दोहरीकरण (गंगा पुल सहित)

फाफामऊ-जंघई दोहरीकरण

- महाकुम्भ के लिए 13,000 निर्धारित ट्रेनों के बदले 17,152 ट्रेनें चलाई गई, जो पिछले कुम्भ से 4 गुना अधिक हैं (विशेष ट्रेनें, 7,667 और नियमित ट्रेनें 9,485 = 17,152)
- कुम्भ में आने वाले कुल तीर्थयात्रियों की संख्या 66 करोड़

प्रयागराज क्षेत्र में यात्री सुविधाएं

- 9 रेलवे स्टेशन, सभी पर दूसरा प्रवेश द्वार, 48 पीएफ, 21 एफओबी
- 1,186 सीसीटीवी (फेस रिकॉग्नाइजन वाले 10% कैमरे), निगरानी के लिए ड्रोन
- 23 स्थायी होल्डिंग क्षेत्र
- प्रयागराज, नैनी, छिवकी और सूबेदारगंज में 12 भाषाओं में घोषणा और 23 भाषाओं में सूचना बुकलेट
- 554 टिकट काउंटर (151 मोबाइल यूटीएस) और क्यूआर आधारित टिकटिंग सुविधा
- 21 आरओबी/आरयूबीः सड़क के साथ-साथ रेल की गतिशीलता में सुधार

कलर कोडिंगः यात्रियों की सरलता से पहचान और दिशा-वार अलग-अलग मार्गदर्शन के लिए होल्डिंग क्षेत्रों एवं टिकटों की कलर कोडिंग।

- लालः लखनऊ, अयोध्या
- नीलाः डीडीयू, सासाराम, पटना
- पीलाः मानिकपुर, झांसी, सतना, कटनी, एमपी क्षेत्र
- हराः कानपुर, आगरा, दिल्ली

5 स्तरीय निगरानी प्रणाली

- पीएफ/ होल्डिंग एरिया स्टेशन डिवीजन जोनल रेलवे बोर्ड वॉर रूम
- 13,000 अतिरिक्त कर्मचारी तैनात
- आरपीएसएफ महिला टीम की 2 बटालियन, 22 डॉग स्क्वॉड, 1000 से अधिक सफाई कर्मचारी, 1,500 से अधिक टीटीई और बुकिंग कर्मचारी, 3,000 से अधिक रनिंग स्टाफ (गार्ड, ड्राइवर और सहायक ड्राइवर)
- 3 लाख से अधिक को चिकित्सा सहायता प्रदान की गई

विशेष व्यवस्था की गई

- महत्वपूर्ण स्टेशनों पर यात्रियों के लिए 20 एकड़ क्षेत्र में पर्याप्त होल्डिंग एरिया बनाए गए।
- फिक्सड बैरिकेडिंग, अलग-अलग रास्ते व साइनेज।
- 24 x 7 रेल जनशक्ति
- पीक समय में अधिक कर्मचारी।
- भीड़ को नियंत्रित करने के लिए स्काउट/गाइड की मदद।
- मुख्य सचिव, डीजीपी, कलेक्टरों और एसपी, मजिस्ट्रेट और थानों के साथ समन्वय

फोकस्ड

- व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से राज्य सरकार के साथ बेहतर समन्वय व निगरानी एवं भीड़ की आवाजाही प्लस बल्क बस मूवमेंट प्लस वाहनों की आवाजाही की लाइव निगरानी की गई।
- होल्डिंग क्षेत्रों में अतिरिक्त खिड़कियां
- स्टेशन क्षेत्र और प्लेटफार्मों पर नियमित मैनुअल घोषणाएं।
- भीड़ को मैनेज करने के लिए विशेष मेला ट्रेनें।
- प्लेटफॉर्म, एफओबी, प्रवेश/निकास और होल्डिंग क्षेत्रों में सीसीटीवी निगरानी।

बुनियादी चिकित्सा सुविधाएं

- सर्कुलेटिंग एरिया/स्टेशनों में खान-पान की सुविधा बढ़ाई गई।
- सिविल/जिला प्रशासन की मदद से एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड और मोबाइल शौचालय की व्यवस्था की गई।
- यात्रियों की मुफ्त आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए पार्सल यातायात को प्रतिबंधित किया गया।
- अन्य डिवीजन के कर्मचारियों की ऐप आधारित तैनाती और उनके आराम की व्यवस्था।

विश्वकर्मा पूजा की छुट्टी रद, ईद पर 2 दिन दी

एजेंसी ⏭ कोलकाता

नगर निगम के स्कूलों में हाल ही में विश्वकर्मा पूजा की छुट्टी रद्द कर दी गई और ईद की छुट्टियां दो दिन के लिए बढ़ा दी गईं। कोलकाता नगर निगम के इस आदेश पर जमकर बवाल हुआ। ये आदेश हिंदी मीडियम स्कूलों के लिए था। विवाद बढ़ने के बाद कोलकाता नगर निगम ने कहा है कि ये अनजाने में हुई टाइपिंग मिस्टेक थी।

डीडीए के चुनिंदा पार्कों में प्रवेश के लिए देने होंगे पैसे, द्वारकापार्क में बिना एंट्री टिकट प्रवेश हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने द्वारका सेक्टर 16 के पार्क में लोगों के प्रवेश के लिए सुविधाशुल्क लागू कर दिया है। जिसका लेकर 25 फरवरी 2025 को डीडीए ने नोटिस निकाल दिया जो पार्क के बाहर चस्पा है। जहां डीडीए इसे अपने बेहतरीन रखरखाव आदि के चलते उचित कदम बता रहा है वहीं स्थानीय लोगों में शुल्क लागू करने से रोष व्याप्त होने लगा है। लोगों का कहना है कि डीडीए का यह कदम जनहित में नहीं है। क्योंकि कुछ जन सेवाएं ऐसी होती है जिन्हें जनता के लिए निशुल्क ही रखा जाता है। यह वही पार्क है जहां 22-23 फरवरी

को एलजी के हाथों द्वारा दो दिवसीय पलाश फ्लावर शो आयोजित हुआ था। पहले इस पार्क में प्रवेश निशुल्क था, लेकिन अब नोटिस के अनुसार, बुजुर्ग के लिए टिकट 10 रुपये, 13 साल से ज्यादा उम्र वाले को 20 रुपये एंट्री फीस देनी होगी, जबकि 13 साल से छोटे बच्चों को कोई पैसा नहीं देना होगा, लेकिन उन्हें अपना पहचान पत्र दिखाना होगा। अगर कोई हर रोज पार्क में जाना चाहता है,तो वह 200 रुपये का मंथली पास भी ले सकता है।बूढ़ों के लिए मंथली पास 100 रुपये का होगा। वहीं विदेशियों को पार्क में प्रवेश के लिए 100 रुपये देने होंगे। स्थानीय आरडब्ल्यूए डीडीए के इस कदम का पुरजोर विरोध करने के लिए तैयार हो रही है। इस बारे में डीडीए ने कहा कि दिल्ली के 10 पार्क में अब एंट्री फीस लग रही है। बेहतरीन पार्क बना जा रहे है, इसमें बच्चों के खेलने के लिए गजेबो लगाए गए हैं। बच्चों के खेलने के लिए जगह बनाई है, बांसेरा जैसा हॉर्टिकल्चर है इसलिए अब इस पार्क में भी एंट्री फीस लगाई गई है।

राजस्थान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के सामने एक-दूसरे को थप्पड़ जड़ा

जयपुर में गुरुवार को BJP प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के सामने पार्टी के दो पदाधिकारी भिड़ गए और एक-दूसरे के थप्पड़ जड़ दिए। मौके पर मौजूद अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने दोनों को अलग किया। मामले को लेकर देर शाम अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने मोर्चा के महामंत्री जावेद कुरैशी को पद से हटा दिया।

घटना उस समय हुई, जब भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक शुरू होने वाली थी। प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ बैठक में पहुंचे थे।

अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व उपाध्यक्ष रहे फरीदुद्दीन जैकी प्रदेशाध्यक्ष को मंच तक लेकर आए। वह मंच पर चढ़ने लगे तो उन्हें मोर्चा के पूर्व महामंत्री जावेद कुरैशी ने रोक दिया। इस पर जैकी ने जावेद को थप्पड़ जड़ दिया। थप्पड़ लगते ही जावेद ने भी जैकी को थप्पड़ मार दिया। उसके बाद दोनों अध्यक्ष के सामने ही भिड़ गए। करीब 30 से 40 सेकेंड तक दोनों लड़ते रहे। उसके बाद बीजेपी के अन्य पदाधिकारी ने दोनों का अलग किया।

विवाद को लेकर कौन क्या बोला...

घटना को लेकर अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व महामंत्री जावेद कुरैशी ने कहा- मंच पर जो अपेक्षित थे, उन्हीं के लिए कुर्सी लगाई गई थी, लेकिन जैकी ने कहा कि अध्यक्ष के पीछे मेरी कुर्सी लगाई जाए। हमने उनसे शालीनता से नीचे उतरने के लिए कहा तो वह गली-गलौज पर उतर आए।

बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा में पूर्व उपाध्यक्ष रहे फरीदुद्दीन जैकी ने कहा- मैंने किसी भी पदाधिकारी से कोई बदतमीजी नहीं की थी। मैं अध्यक्ष को मंच पर बैठाकर नीचे उतर रहा था। मुझे बदनाम करने के लिए महामंत्री जावेद कुरैशी ने यह सब किया।

अल्पसंख्यक मोर्चा पदाधिकारी की थी बैठक

दरअसल, आज प्रदेश भाजपा कार्यालय में अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी की बैठक रखी गई थी। बैठक में अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिलाध्यक्ष और जिला महामंत्री शामिल हुए थे। बैठक में बतौर चीफ गेस्ट बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ शामिल हुए थे। बैठक के बाद मोर्चे की ओर से मदन राठौड़ का सम्मान कार्यक्रम भी रखा गया था।

चेन्नई एयरपोर्ट पर उड़ान यात्री कैफे की शुरुआत

यात्रियों को सस्ते दामों पर उपलब्ध होंगी खाद्य वस्तुएं

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री नायडू ने चेन्नई एयरपोर्ट पर बढ़ाई सुविधा

एजेंसी ⏭ चेन्नई

देश के एयरपोर्ट पर किफायती दाम में यात्रियों के लिए खाना-पीना उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार की ओर से उड़ान यात्री कैफे की शुरुआत की गई है। इसी के तहत केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने चेन्नई एयरपोर्ट पर उड़ान यात्री कैफे का उद्घाटन किया जो भारतीय हवाई अड्डों पर इस तरह की दूसरी सुविधा है। इससे पहले 19 दिसंबर 2024 को कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के 100वीं वर्षगांठ पर वहां उड़ान यात्री कैफे खोला गया था। तब से कोलकाता हवाई अड्डे का यह कैफे यात्रियों में काफी लोकप्रिय है और वे इसकी गुणवत्ता, स्वाद और कीमत को लेकर बेहद संतुष्ट रहे हैं। यात्रियों की मांग के बाद इस पहल को पूरे देश में विस्तारित किया जा रहा है।

अन्य हवाई अड्डों पर भी सुविधा आरंभ करने की मांग

कम कीमतो में यात्रियों को मिलेंगी खान-पान की चीजें

नायडू ने बताया कि उड़ान यात्री कैफे पीएम मोदी की हवाई यात्रा को सबके लिए अधिक सुविधाजनक, सुलभ और किफायती बनाने के समावेशी उड़ान दृष्टि योजना के अनुरूप है। कोलकाता पर कैफे खोले जाने के बाद यात्रियों ने इस सुविधा की मांग की थी।

हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण कर रहे

उन्होंने कहा कि यात्री कैफे, उड़ान योजना (उड़े देश का आम नागरिक) की भावना के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य हवाई यात्रा को सबके लिए सुलभ बनाना और हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करना है।

डिजी यात्रा और ई-गेट्स के माध्यम से सहूलियतें बढ़ाई जा रहीं

मंत्री ने कहा कि सरकार यहां यात्री सुविधा बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और डिजी यात्रा (चेहरे से यात्रियों की पहचान और टर्मिनल में प्रवेश तथा बोर्डिंग की प्रक्रिया तेज की जाएगी।

अब गोवा में कल से नकद में नहीं होगा ट्रैफिक चालान

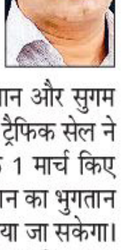

पणजी। अब गोवा में ट्रैफिक चालान का भुगतान कैश में नहीं किया जा सकेगा। गोवा पुलिस का ट्रैफिक सेल डिजिटल पेमेंट सिस्टम अपनाने जा रहा है। जिससे वाहन चालकों के लिए भुगतान प्रक्रिया को आसान और सुगम बनाया जा सके। ट्रैफिक सेल ने ऐलान किया कि 1 मार्च किए गए ट्रैफिक चालान का भुगतान नकद में नहीं किया जा सकेगा। इससे भ्रष्टाचार पर भी लगाम लग सकेगी।

रॉयल पत्रिका संपादकीय

परिसीमन की तलवार

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने 'दक्षिणी राज्यों के सिर पर लटकती डी-लिमिटेशन की तलवार' के मसले पर सर्वदलीय बैठक बुलाकर यह साफ कर दिया है कि इस मसले को अब और टालना संभव नहीं होगा। यह भी स्पष्ट है कि इस पहल के जरिए उन्होंने सारे दक्षिणी राज्यों की चिंता को स्वर दिया है।

संवैधानिक जरूरत : डी-लिमिटेशन या परिसीमन दरअसल एक संवैधानिक जरूरत है जिसका मकसद यह सुनिश्चित करना है संसद में जनता के प्रतिनिधित्व और आबादी में हो रही बढ़ोतरी का अनुपात ठीक बना रहे। संवैधानिक संशोधन के जरिए पहले 1976 में 25 वर्षों के लिए और फिर 2002 में साल 2026 तक के लिए इसे टाल दिया गया। 2011 के बाद 2021 में जो जनगणना होनी थी, कोविड के चलते वह भी टल गई। हालांकि सरकार ने अभी कोई तारीख नहीं घोषित की है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले साल तक जनगणना का काम पूरा हो जाने के बाद परिसीमन की प्रक्रिया शुरू होगी।

अहमियत घटने का डर : चूंकि परिसीमन का आधार क्षेत्र विशेष की जनसंख्या को बनाया जाता रहा है, इसलिए दक्षिणी राज्यों को डर है कि इसके परिणास्वरूप राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका और अहमियत कम हो जाएगी। उनका डर निराधार नहीं कहा जा सकता क्योंकि जनसंख्या के मामले में दक्षिणी राज्यों के मुकाबले उत्तर भारत कहीं आगे है।

यूपी-बिहार हावी : आजादी के बाद जहां साउथ के राज्यों ने विकास के मार्ग पर तेजी से कदम बढ़ाए वहीं परिवार कल्याण योजनाओं के जरिए आबादी की बढ़ोतरी को भी काबू किया। 2011 की जनगणना के मुताबिक जहां उत्तर के सिर्फ दो राज्य - यूपी और बिहार- देश की कुल आबादी का 25 फीसदी थे वहीं साउथ के पांचों राज्य मिलाकर महज 21 फीसदी। ताजा सरकारी अनुमानों के मुताबिक यह प्रतिशत क्रमश: 26 और 19.5 हो चुका है। जाहिर है, आबादी के आधार पर परिसीमन लोकसभा में दक्षिणी राज्यों के सांसदों की संख्या कम करेगा। स्टालिन ने कहा भी है कि तमिलनाडु को कम से कम आठ सीटों का नुकसान होगा।

अच्छे प्रदर्शन का नुकसान : यह भी एक तथ्य है कि दक्षिण के राज्य देश के कॉरपोरेट और इनकम टैक्स में एक चौथाई का योगदान करते हैं जबकि यूपी और बिहार का योगदान महज 3 फीसदी बैठता है। इस मसले को कैसे हल किया जाता है, यह देखना होगा लेकिन इस दलील में दम है कि देश के किसी भी हिस्से को उसके अच्छे प्रदर्शन का नुकसान नहीं होने देना चाहिए।

यूक्रेन के दुर्लभ खनिजों में ऐसा क्या, जिससे अमेरिका खरबों कमाएगा

राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की यूक्रेन के दुर्लभ खनिजों का सौदा करने को राजी हो गए हैं। वो डील पर साइन करने के लिए शुक्रवार को व्हाइट हाउस जा सकते हैं। डोनाल्ड ट्रम्प पिछले 1 महीने से दबाव बना रहे थे, लेकिन तब जेलेंस्की ने कहा था कि वो अपने देश को नहीं बेचेंगे। यूक्रेन में करीब 11 ट्रिलियन डॉलर के दुर्लभ खनिज मौजूद हैं। ये रकम भारत की कुल इकोनॉमी से भी 3 गुना ज्यादा है।

यूक्रेन में 100 से ज्यादा दुर्लभ खनिजों का भंडार है। इनमें 20 भंडार ऐसे हैं, जिन्हें अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने अमेरिका की इकोनॉमी ग्रोथ और सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी बताया है। यूक्रेन में मौजूद कुछ प्रमुख खनिज...

1. टाइटेनियम: यह चांदी जैसी दिखने वाला मैटेरियल जमीन के अंदर चट्टानों के टुकड़ों के रूप में पाया जाता है। टाइटेनियम लोहे से 50% और स्टील से 56% हल्का होता है, फिर भी दोनों धातुओं से कई गुना ज्यादा मजबूत होता है। टाइटेनियम को पिछलाने के लिए 2 हजार डिग्री सेल्सियस के तापमान की जरूरत होती है। यानी ये ज्यादा गर्मी सह सकता है। इसीलिए इसका इस्तेमाल विमानों से लेकर पावर स्टेशनों तक में होता है। रूस-यूक्रेन जंग की शुरुआत से पहले ग्लोबल टाइटेनियम उत्पादन में 7% हिस्सा यूक्रेन का था।

2. लिथियम: ज्वालामुखी वाली चट्टानों और झरनों में पाया जाने वाला लिथियम हल्के सफेद रंग का होता है। यह दुनिया की सबसे हल्की धातु है। लिथियम को खुली हवा में नहीं रखा जाता, क्योंकि यह ऑक्सीजन के संपर्क में आने पर फौरन आग पकड़ लेता है। इस वजह से लिथियम को तेल में डुबोकर रखा जाता है। लिथियम को एक चाकू से भी काटा जा सकता है, क्योंकि यह बहुत सॉफ्ट होता है। इसका इस्तेमाल बैटरियों को बनाने में होता है। यूरोप के कुल लिथियम भंडार का 33% हिस्सा यूक्रेन के पास है।

3. यूरेनियम: यह एक रेडियोएक्टिव धातु है, जो चट्टानों और झरनों में पाई जाती है। यूरेनियम को दुनिया की सबसे खतरनाक धातु भी कहते हैं क्योंकि इसका इस्तेमाल परमाणु बम बनाने में होता है। दुनियाभर के कुल यूरेनियम का 2% यूक्रेन में पाया जाता है।

4. रेयर अर्थ मिनरल्स: यह 17 खनिजों का एक ग्रुप है, जो कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर मिलिट्री इक्विपमेंट तक में इस्तेमाल होता है। इसमें सेरियम, डिस्प्रोसियम, अर्बियम, यूरोपियम, गैडोलीनियम, होल्मियम, लैंथेनम, ल्यूटेटियम, नियोडिमियम, प्रेसियोडीमियम, प्रोमेथियम, समैरियम, स्कैंडियम, टेरबियम, थ्यूलियम, येटरबियम और इड्रियम शामिल हैं।

इसके अलावा यूक्रेन में ग्रेफाइट का भी बड़ा भंडार मौजूद है, जो इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने में इस्तेमाल होता है।

ट्रम्प ने यूक्रेन के 50% दुर्लभ खनिजों पर कब्जा करने का प्रस्ताव दिया है। इनमें ग्रेफाइट, यूरेनियम, टाइटेनियम, लिथियम समेत कई बेशकीमती और दुर्लभ खनिज शामिल हैं। इनका इस्तेमाल टेस्ला की कारों से स्पेसएक्स के रॉकेट तक, होवित्जर तोप से मोबाइल की चिप तक में होता है।

फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल रिलेशन्स की सीनियर लेक्चरर जेसिका गेनॉयर ने ABC न्यूज को बताया कि ट्रम्प का ध्यान यूक्रेन के दुर्लभ खनिजों पर बना हुआ है, क्योंकि ट्रम्प इससे अमेरिकी सुरक्षा और उद्योग को बढ़ाना चाहते हैं। ट्रम्प इन खनिजों की मदद से चीन को कड़ी टक्कर देना चाहते हैं।

यूक्रेन के लुहांस्क, डोनेट्स्क, जपोरिजिया और खेरसॉन पर इस वक्त रूस का कब्जा है। इन प्रांतों में यूक्रेन के कुल खनिज भंडार का 53% हिस्सा है, जिसकी कीमत 6 ट्रिलियन पाउंड यानी करीब 660 लाख करोड़ रुपए हैं। इस पर पुतिन का सितंबर 2022 से कब्जा है।

25 फरवरी को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका के साथ दुर्लभ खनिजों की डील करने की इच्छा जताई। पुतिन ने कहा कि रेयर अर्थ मिनरल्स के लिए हम अमेरिका के साथ काम करने को तैयार हैं। रूसी कंपनियां रूस की जमीन से भी नेचुरल रिसोर्स एक्स्ट्रैक्ट कर सकती हैं। उनमें वो जमीन भी शामिल हैं, जो रूस ने यूक्रेन से हथियाई हैं।

दुनियाभर में रेयर अर्थ मिनरल्स की सप्लाई पर चीन का कब्जा है। पिछले कुछ दशकों में चीन दुर्लभ खनिजों के खनन और इसकी प्रोसेसिंग के मामले में सबसे बड़ा देश बन गया है। माइनिंग टेक्नोलॉजी की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन दुनिया के 60% से 70% दुर्लभ खनिजों का उत्पादन करता है, जबकि 90% दुर्लभ खनिज चीन में ही प्रोसेस होते हैं।

2023 की यूएस जियोलॉजिकल सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक, 2018 से 2021 में अमेरिका ने चीन से 74% रेयर अर्थ मिनरल्स आयात किए थे। इसके अलावा 53% गैलिलियम और 33% ग्रेफाइट समेत 9 अन्य खनिजों का आयात भी किया था।

ट्रम्प दुर्लभ खनिजों की सप्लाई में अमेरिका का हिस्सा बढ़ाना चाहते हैं। फिलहाल अमेरिका इन खनिजों के लिए चीन पर निर्भर है। अमेरिका को दोबारा महान बनाने की बात करने वाले ट्रम्प के लिए ये चिंता की बात है। इससे अमेरिका का आर्थिक और सैन्य मोर्चे पर दांव कमजोर पड़ सकता है।

3 साल तक अमेरिका ने जंग में यूक्रेन को सपोर्ट किया, लेकिन ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका ने यूक्रेन से अपना हाथ खींच लिया और हर मदद पर रोक लगा दी।

ट्रम्प ने यूक्रेन को युद्ध के लिए दिया गया पैसा वापस मांगना शुरू किया। ट्रम्प ने कहा कि यूक्रेन को 500 बिलियन डॉलर के दुर्लभ खनिज अमेरिका को देने होंगे, क्योंकि अमेरिकी मदद के बिना यूक्रेन कमजोर पड़ जाएगा। इसके बाद रूस किसी भी दिन उसे अपने में मिला सकता है।

12 फरवरी 2025 को ट्रम्प ने पुतिन से फोन पर करीब 90 मिनट तक बातचीत की। 18 फरवरी को सऊदी अरब में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मीटिंग की। 4 घंटे तक चली मीटिंग में सबसे अहम मुद्दा रहा है- रूस-यूक्रेन जंग को रोकना।

मीटिंग में जानबूझकर एक भी यूक्रेनी प्रतिनिधि को शामिल नहीं किया गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा, 'कोई भी निर्णय यूक्रेन पर थोपा नहीं जा सकता।' इसी दिन ट्रम्प ने कहा, 'जेलेंस्की को कभी जंग शुरू नहीं करनी चाहिए थी। वो एक समझौता कर सकते थे।'

19 फरवरी को ट्रम्प ने जेलेंस्की को कॉमेडियन और तानाशाह कहा। जेलेंस्की ने कहा था कि वो अपने देश को नहीं बेचेंगे। फिर खबरें आईं कि इस डील के बदले यूक्रेन ने सुरक्षा की गारंटी मांगी है, लेकिन आखिरकार कोई विकल्प न पाकर जेलेंस्की डील करने को राजी हो गए हैं।

दुर्लभ खनिज संपदा के सौदे की शर्तें आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई हैं। हालांकि अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से कुछ बातें पता चली हैं।

जैसे- अमेरिका ने इस डील के बदले यूक्रेन को कोई सुरक्षा की गारंटी या हथियारों की सप्लाई की गारंटी नहीं दी है। डील में सिर्फ ये जिक्र है कि अमेरिका चाहता है कि यूक्रेन स्वतंत्र, संप्रभु और सुरक्षित रहे।

इसके अलावा खनिजों से होने वाली आमदनी पर अमेरिका का इकलौता अधिकार नहीं होगा। अमेरिका और यूक्रेन मिलकर एक पुनर्निमाण कोष बनाएंगे। अमेरिका दुर्लभ खनिज के बदले यूक्रेन के री-डेवलपमेंट (पुनर्विकास) में मदद करेगा।

जब ट्रम्प से पूछा गया कि यूक्रेन को इस डील से क्या मिलेगा, तो जवाब में उन्होंने कहा कि अमेरिका पहले ही उसे जंग के दौरान 350 बिलियन डॉलर और बहुत सारे सैन्य उपकरण दे चुका है।

अमेरिका और यूक्रेन की दुर्लभ खनिज डील को रूस-यूक्रेन समझौते के रूप में देखा जा रहा है। ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि यह समझौता रूस के साथ यूक्रेन के युद्धविराम की राह में पहला कदम होगा।

मोटापा

शिशिर शुक्ला

स्वास्थ्य को लेकर पीएम मोदी की अहम पहल

आज मोटापे की समस्या दिन-ब-दिन मानव स्वास्थ्य के लिए एक गंभीरतम रूप लेती जा रही है। एक सीमा से अधिक मोटापा हर हालत में जानलेवा बीमारियों का कारण बनता है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोटापे के खिलाफ एक जागरुकता अभियान चलाया है। खास बात यह है कि इस अभियान में सहायता हेतु उन्होंने देश की जानी-मानी हस्तियों को नामित किया है। प्रधानमंत्री ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रत्येक देशवासी से अपने भोजन में तेल की खपत को दस फ़ीसदी तक कम करने का अनुरोध किया है। निश्चित रूप से किसी देश के मुखिया के द्वारा ऐसा कदम उठाया जाना एवं अपनी जनता से स्वास्थ्य संबंधी एक महत्वपूर्ण अपील किया जाना उनकी बुद्धिमत्तापूर्ण दूरदर्शिता का परिचायक है। गौरतलब है कि मोटापे की समस्या के पीछे उत्तरदायी कारकों में जो सबसे महत्वपूर्ण कारक है, वह है—अनियमित जीवन शैली एवं अनियंत्रित खान-पान। ये दोनों कारक आज के युवा एवं किशोरवर्ग के संदर्भ में कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाते हैं क्योंकि वे न तो किसी नियमित दिनचर्या का पालन कर रहे हैं एवं न ही कोई व्यवस्थित खानपान उनकी जीवन शैली का हिस्सा बन पा रहा है। एक रिपोर्ट बताती है कि कोल्ड ड्रिंक पीने एवं बर्गर व पिज़्ज़ा जैसे फास्ट फूड खाने की लत युवाओं को समय से पहले बूढ़ा कर रही है। नतीजा यह हो रहा है कि समय से पहले युवा मोटापे की चपेट में आकर अनेक बीमारियों का शिकार होते जा रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन में बताया गया है कि ऐसे युवा जो नियमित रूप से चिप्स, बिस्किट, पिज़्ज़ा, कोल्ड ड्रिंक, बर्गर जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं उनके बीमार होने एवं सुस्त रहने की संभावना कहीं ज्यादा होती है। इटली के इंस्टिट्यूट ऑफ़ न्यूरोलॉजिको के वैज्ञानिकों ने 22495 वयस्कों पर किए गए शोध के अनुसार निष्कर्ष निकाला है कि डिब्बाबंद खाना खाने से बुढ़ापा जल्दी आ सकता है। इसके साथ ही फास्ट फूड एवं डिब्बा बंद भोजन का सेवन करने से मोटापे की समस्या अनियंत्रित रूप से बढ़ती जाती है जो भविष्य में मधुमेह एवं कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों को भी खींच लाती है। एक बहुत पुरानी कहावत है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। मोटापा एक ऐसी समस्या है जो शरीर को उत्तम स्वास्थ्य से दूर करने का एक महत्वपूर्ण कारण बन जाता है। किसी देश के विकास के लिए यह परम आवश्यक है कि वहां का युवा शारीरिक एवं मानसिक रूप से पूर्णरूपेण सशक्त हो। मोटापे की समस्या कहीं न कहीं युवाओं के अंदर कार्य के प्रति लगन एवं उत्साह को भी क्षीण करने का कार्य करती है। नतीजा यह होता है कि वह स्वयं के विकास, परिवार के विकास, समाज की प्रगति एवं राष्ट्र की उन्नति में वह भूमिका नहीं निभा पाता जोकि उससे अपेक्षित होती है। एक रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2022 में भारत में लगभग सात करोड़ लोग मोटापे से ग्रस्त थे जिनमें 4.4 करोड़ महिलाएं एवं 2.6 करोड़ पुरुष थे। इससे भी ज्यादा चिंता की बात तो यह है कि इतनी बड़ी संख्या में 50 लाख से अधिक बालिकाएं एवं 70 लाख से अधिक बालक शामिल थे जिनकी आयु 19 वर्ष से कम थी।

आईसीएमआर की एक अन्य रिपोर्ट यह कहती है कि वर्तमान में भारत में बारह करोड़ से भी ज्यादा लोग ऐसे हैं जो मधुमेह, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल एवं सांस फूलने जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं। सुस्पष्ट है कि ये सभी बीमारियां मोटापे की वजह से ही उत्पन्न होती हैं। आज के युवाओं की जीवनशैली से शारीरिक श्रम तो बिल्कुल गायब सा होता जा रहा है। उनका अधिकांश समय मोबाइल फोन, कंप्यूटर अथवा लैपटॉप पर कार्य करते हुए बीत जाता है। ऑफिस से घर एवं घर से ऑफिस वाली दिनचर्या उन्हें शारीरिक व्यायाम से कोसों दूर लेती जा रही है। निस्संदेह भारत के प्रधानमंत्री के द्वारा स्वास्थ्य को क्षति पहुंचाने वाली मोटापे की समस्या की चिंता करते हुए उठाया गया कदम कई मायनों में महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके साथ ही भारत के प्रत्येक नागरिक को भी यह समझना होगा कि इस अभियान को सफल बनाना प्रत्येक व्यक्ति की निजी जिम्मेदारी है। जब तक हम स्वयं समस्या की गंभीरता एवं इसके प्रभावों के विषय में जागरूक नहीं होंगे, तब तक हम समाज एवं राष्ट्र के प्रति इस समस्या के संदर्भ में कोई योगदान नहीं कर सकते। यह एक कड़वा सच है कि समस्या का पूर्णरूपेण उन्मूलन तभी संभव है जब समाज का हर तबका एवं देश का हर नागरिक इस समस्या की जड़ तक जाते हुए इससे मुक्त होने का भरसक प्रयास करे।

(लेखक विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग एसएसपीजी कॉलेज, शाहजहांपुर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

प्रज्ञा के जागरण से बदलेगी दृष्टि

संकलित

दर्शन

आंख साफ है तो दुनिया साफ है। आंख में धुंधलापन है तो सारी दुनिया धुंधली हो जाती है। तर्कशास्त्र में 'द्विचंद्रबोध' की बात आती है। चांद है तो एक, किंतु दृष्टि दोष के कारण वह दो दिखाई देता है। जीवन-निर्माण में सबसे बड़ी बाधा है- दृष्टिकोण का विपर्यय। जीवन-निर्माण का सबसे बड़ा रहस्य-सूत्र है-दृष्टिकोण का निर्माण। प्रसिद्ध कहावत है- 'जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि।' पहले हम दृष्टि को बदलने की बात करें। सृष्टि को बदलने की बात पहले न करें। यदि दृष्टि बदलती है तो प्रयोजन पूरा हो जाता है। सृष्टि अपने आप बदल जाती है। उसके लिए इतनी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। सबसे जटिल प्रश्न है दृष्टि को बदलना। यदि ध्यान के द्वारा दृष्टि बदल जाती है तो बहुत कुछ हो सकता है। मेरा विश्वास प्रतिदिन गहरा होता जा रहा है कि जिसने सच्चाइयों का साक्षात्कार कर लिया है, उसकी दुनिया बदल जाती है। जिसने सच्चाई का साक्षात्कार नहीं किया, वह हजार बार दुहाई देगा, पर बदलेगा नहीं। सबसे बड़ा प्रश्न है- सत्य का साक्षात्कार। दृष्टि बदलने का अर्थ है- सत्य का साक्षात्कार होगा। जो ज्ञान बाहर से पैदा होता है वह है- इंद्रिय ज्ञान। प्रज्ञा है- आंतरिक ज्ञान। वह 'आयसमुत्था' बाहर से पैदा नहीं होती। एक अनपढ़ आदमी बहुत प्रज्ञावान और बहुत ज्ञानी हो सकता है। एक पढ़ा-लिखा आदमी बड़ा मूर्ख हो सकता है। प्रज्ञा का जागरण भीतर होता है। शक्ति का जागरण भीतर होता है। हम बाहर शक्ति को खोजते हैं। किंतु मूल स्रोत हमारे भीतर है। प्राण शक्ति प्रबल होती है तो बाहर की शक्ति भी काम आती है। प्राण शक्ति नहीं है तो बाहर की शक्ति भी सहारा नहीं दे सकती।

हर दिन को होगा सुखद और आनंददायक

संकलित

प्रेरणा

जीवन के हर दिन को आप सुखद बनना चाहते हैं लेकिन हर दिन आपका कैसा सुखद बनेगा। इस विषय में अगर आप सोच विचार कर रहे हैं तो सद्गुरु श्री मधुसूदन साई के बताए आध्यात्मिक मार्ग पर चलना चाहिए। वस्तुतः, आनंद प्रत्येक व्यक्ति का सच्चा लक्ष्य है। मनुष्य आनंद की लालसा करता है और इसे अनेक रीतियों से खोजने का प्रयास करता है। वह अच्छा भोजन करने में, मैत्रीपूर्ण सामाजिक समूहों में, स्नेही परिवार में, एक भारी-भरकम वेतन में, शानदार पर्यटन में, तथा सबसे बढ़िया घरों एवं कारों में आनंद प्राप्त करता है। फिर भी, अपनी आशा के अनुरूप प्राप्त कर लेने के उपरांत भी, उसकी प्रसन्नता स्थायी नहीं रहती है। जीवन के उतार-चढ़ाव उसे बार-बार झकझोरते रहते हैं। चाहे वह खाना हो, सोना हो, खेलना हो, प्रार्थना करना हो अथवा कार्य करना। अपनी सभी गतिविधियों को संतुलित करने से आपके जीवन में जो संतुलन आएगा, वह आपके जीवन के प्रत्येक दिन को पूर्णता से जीने में सहायता करेगा। वह करें, जिसके लिए आप जन्मे हैं। अपने जुनून को अपना पूर्णकालिक व्यवसाय बनाएं। आप प्रत्येक दिन संतुष्टि का अनुभव करेंगे तथा सदैव अपनी उत्कृष्टता की पराकाष्ठा प्राप्त करेंगे। आप अपनी आयु के आधार पर अपना परोपकार का चार्ट बना सकते हैं। परोपकार का आपकी वित्तीय व्यवस्था में एक अंश अवश्य होना चाहिए, क्योंकि केवल इसका समावेश ही आपको अद्वितीय संतोष की अनुभूति प्रदान कर सकता है।

अंतर्मन

आज की पाती

सड़क पर बेजा कब्जा

राजधानी की सड़कों के दोनों ओर दुकानदारों के बेजा कब्जे से सड़कों पर जाम लगने लगा है। सुबह और शाम के वक्त संतोषीनगर से रिंग रोड तक पहुंचना मुश्किल होता है। रिंग रोड के आसपास आए दिन ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। खासकर दुकानदार कई फीट सड़क पर सामान रख रहे हैं। ऐसे में सड़कें संकरी हो जाती है और लोगों का गुजरना मुश्किल होता है। निगम और ट्रैफिक पुलिस एक-दो बार कार्रवाई कर औपचारिकता पूरी कर लेते हैं। फिर स्थिति ज्यों की त्यों हो जाती है।

– राजेंद्र कुमार, संतोषीनगर

ट्रेंड

कन्नड़ के लिए गर्व का क्षण

कन्नड़ साहित्य के लिए गर्व का क्षण है। बानू मुश्ताक का कन्नड़ लघुकथा संग्रह अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार की लॉग लिस्ट में शामिल हुआ है। यह हमारी भाषा और संस्कृति के लिए एक बड़ा सम्मान है!

-सिद्धारमैया, सीएम, कर्नाटक

निवेशकों का भरोसा उठ रहा

देश के शेयर बाजार के लगातार गिरने का कारण यदि विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार से पैसा निकालना है तो ये दर्शाता है कि विदेशी निवेशकों का भारत की वर्तमान अर्थव्यवस्था से भरोसा उठ गया है। निवेश को आकर्षित करने के नाम पर जो करोड़ों खर्च किया जाता है, वो कितना निरर्थक है।

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

बीएफआई का चुनाव

भारतीय मुक्केबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जरूरी है कि वे विदेश में अभ्यास करें। इसके लिए मजबूत महासंघ बनाने के लिए जल्द चुनाव कराने की जरूरत है। अगर कोई जिम्मेदारी मिलती है तो मुझे योगदान करने में खुशी होगी।

-विजेंदर सिंह, भारतीय मुक्केबाज

थ्रिलर श्रृंखला की शूटिंग

कुछ रहस्य यूं ही नहीं खुलते, वे आपको अंदर खींच लेते हैं, आपको अनुमान लगाने पर मजबूर कर देते हैं और जाने नहीं देते। हमें इस मामले में एक सुराग मिल गया है। एक नई रहस्य थ्रिलर श्रृंखला बन रही है! इसकी शूटिंग शुरू हो गई है।

परिणीति चोपड़ा, अभिनेत्री

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

इंटरनेट की लत से लड़ने में मदद के लिए एम्स में केंद्र

बच्चों और युवाओं को इंटरनेट तथा प्रौद्योगिकी की लत से लड़ने में मदद करने के लिए देश में अपनी तरह का पहला केंद्र अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली में स्थापित किया जाएगा। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने हाल ही में तकनीक के अत्यधिक और समस्या पैदा करने वाले उपयोग से संबंधित व्यसनकारी व्यवहार पर उन्नत शोध केंद्र (सीएआर-एबी) की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। एम्स, दिल्ली में व्यवहार व्यसन क्लीनिक (बीएसी) के संकाय प्रभारी यतन पाल सिंह बल्हारा इस परियोजना का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी के अत्यधिक और समस्या पैदा करने वाले उपयोग को एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में पहचाना गया है। डॉ बल्हारा ने कहा कि भारत के आर्थिक सर्वेक्षण (2024-25) में बच्चों और किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि को इंटरनेट के अत्यधिक उपयोग से जोड़ा गया है और बच्चों एवं किशोरों को उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए इंटरनेट से दूर रखने के लिहाज से स्कूल एवं परिवार के स्तर पर हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र लत लगने संबंधी विभिन्न व्यवहारों पर समग्र रूप से ध्यान देगा।

ऑफ बीट

मंगल ग्रह का लाल रंग लौहयुक्त खनिज की उपस्थिति के कारण

एक नए अध्ययन के अनुसार मंगल ग्रह का लाल रंग लौह-युक्त खनिज की उपस्थिति के कारण हो सकता है, जिसके निर्माण के लिए ठंडे पानी की आवश्यकता होती है और इससे यह संभावना मजबूत होती है कि यह ग्रह अतीत में रहने योग्य रहा होगा। 'नेचर कम्युनिकेशन्स' पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में सुझाव दिया गया है कि लाल ग्रह पर स्थित धूल विभिन्न खनिजों का मिश्रण है, जिसमें आयरन ऑक्साइड भी शामिल है, जिनमें से एक - फेरिहाइड्राइट - ग्रह के रंग का कारण हो सकता है। ब्राउन यूनिवर्सिटी, अमेरिका में पोस्टडॉक्टरल फेलो तथा अध्ययन के प्रमुख लेखक एडम वैलेंटिनास ने कहा, हम फेरिहाइड्राइट को मंगल ग्रह के लाल होने का कारण मानने वाले पहले व्यक्ति नहीं हैं, लेकिन अब हम अवलोकन डेटा और प्रयोगशाला के नए तरीकों का उपयोग करके इसका बेहतर परीक्षण कर सकते हैं, ताकि अनिवार्य रूप से प्रयोगशाला में मंगल ग्रह की धूल बनाई जा सके। उन्होंने कहा, हमारे विश्लेषण से, हमें विश्वास है कि फेरिहाइड्राइट धूल में हर जगह है और संभवत: चट्टान संरचनाओं में भी है। हालांकि, चूंकि फेरिहाइड्राइट ठंडे पानी की मौजूदगी में बनता है और पहले लाल रंग देने वाले माने जाने वाले हेमेटाइट जैसे खनिजों की तुलना में कम तापमान पर बनता है, इसलिए निष्कर्ष बताते हैं कि मंगल पर टिकाऊ तरल पानी को बनाए रखने में सक्षम वातावरण हो सकता है।

जेडीए सचिव ने ली वरिष्ठ अधिकारियों की समीक्षा बैठक

-जेडीए सचिव ने दिये विभिन्न दिशा-निर्देश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी के मार्गदर्शन में जेडीए सचिव निशांत जैन द्वारा गुरूवार को जेडीए के मंथन सभागार में जेडीए के वरिष्ठ अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सभी अतिरिक्त आयुक्त गणों को अपने-अपने कार्यक्षेत्र के जोन कार्यालयों में पदस्थापित अधिकारियों/कार्मिकों की ई-फाईल पर अंकित टिप्पणी की रैण्डम जांच/निरीक्षण करने के निर्देश दिये। बैठक में विधानसभा प्रश्नों के क्रम में निर्देश दिये कि प्राप्त विधानसभा प्रश्नों के उत्तर त्वरित रूप से भिजवाये जाने सुनिश्चित किया जाये। बैठक में राईजिंग राजस्थान के तहत जेडीए द्वारा विभिन्न विकासकर्ताओं से किए गए एम.ओ.यू.ओ. की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिये गये कि संबंधित जोन उपायुक्त संबंधित प्रकरणों में पूर्व में प्रदत्त आदेशो/निर्देशों की अनुपालना करना सुनिश्चत करें। बैठक में जनसुनवाई के समय अधिकारियों को अपने कक्ष में उपस्थित रहने के निर्देश दिये। इसके साथ ही निर्देश दिये गये कि समस्त अधिकारी/कर्मचारी नियमित रूप से कार्यालय समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना सुनिश्चित करेंगे।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट— 2024 में हुए एमओयू के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के दौरान हस्ताक्षरित एमओयू के कार्यान्वयन की गुरूवार को समीक्षा बैठक ली। गत 13 फरवरी को हुई समीक्षा बैठक के बाद एमओयू के कार्यान्वयन में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए पंत ने अधिकारियों को उपलब्ध सरकारी भूमि का लैंड बैंक बनाने और इसे निवेशकों को आसानी से उपलब्ध कराने हेतु ऑनलाइन करने के निर्देश दिए। रीको द्वारा भूमि बैंक विकसित करने और निवेशकों को तेजी से भूमि आवंटित करने के लिए उठाए गए कदमों की सराहना करते हुए पंत ने राजस्व, नगरीय विकास एवं आवास और स्थानीय स्वशासन जैसे अन्य भूमि आवंटन संबंधित विभागों को भी अलग-अलग ऑनलाइन भूमि बैंक बनाने की संभावनाओं को तलाशने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने एमओयू की अधिक संख्या वाले जिलों में लैंड बैंक बनाने को प्राथमिकता देने के निर्देश दिये। रीको के डायरेक्ट लैंड अलॉटमेंट पोर्टल के लॉन्च से पहले उन्होंने विभिन्न विभागों को शेष निवेशकों के लिए भूमि आवंटन से संबंधित टास्क क्रिएट करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में बड़े सौर पार्क विकसित करने की संभावनाओं को तलाशा जाना चाहिए, जहां उन ऊर्जा कंपनियों को स्थापित किया जा सके । जिन्होंने निवेश समिट के दौरान एमओयू हस्ताक्षरित किए थे। सुधांश पंत ने कहा कि भूमि आवंटन किसी भी व्यावसायिक इकाई की स्थापना में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिन प्रमुख विभागों के पास बड़े सरकारी लैंड पार्सल हैं, उन्हें पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए ऑनलाइन लैंड बैंक बनाने की प्रक्रिया में तेजी लानी चाहिए। ऊर्जा क्षेत्र में बड़ी संख्या में हस्ताक्षरित एमओयू को ध्यान में रखते हुए विभागों को ऐसे बड़े सोलर पार्क स्थापित करने की संभावनाएं तलाशनी चाहिए, जो रीको औद्योगिक क्षेत्रों की तर्ज पर ऊर्जा कंपनियों को समायोजित कर सकें और उनके एमओयू कार्यान्वयन में तेजी ला सकें। पंत ने विभागीय सचिवों को निर्देश दिए कि वे एमओयू के कार्यान्वयन की साप्ताहिक समीक्षा करें और उनकी प्रगति से संबंधित जानकारी एमओयू इम्प्लीमेंटेशन पोर्टल पर अपलोड करें। उल्लेखनीय है कि गत 9-11 दिसंबर को आयोजित निवेश समिट के दौरान कुल 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किए गये। इनमें से 1.66 लाख करोड़ रुपये मूल्य के एमओयू का कार्यान्वयन मात्र दो महीने की रिकॉर्ड अवधि में शुरू किया जा चुका है। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख सचिव अजिताभ शर्मा, राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव दिनेश कुमार, स्थानीय स्वशासन विभाग के प्रमुख सचिव राजेश यादव, नगर विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख सचिव वैभव गालरिया, खनन एवं खान विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकांत, रीको की प्रबंध निदेशक श्रीमति शिवांगी स्वर्णकार, बीआईपी के अतिरिक्त आयुक्त सौरभ स्वामी सहित राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जावर माइंस में नियोक्ता द्वारा स्थानीय लोगों के हितों के लिए किये गए समझौतों की पालना सुनिश्चित की जाएगी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि उदयपुर ग्रामीण क्षेत्र में संचालित जावर माइंस में वेदांता ग्रुप द्वारा स्थानीय नागरिकों के हितों के लिए किये गए समझौतों की पूरी तरह से पालना सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि माइंस में स्थानीय नागरिकों को रोजगार के उचित अवसर प्रदान करने के लिए भी प्रदेश सरकार सभी संभव प्रयास करेगी। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का श्रम मंत्री की ओर से जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वेदांता समूह द्वारा जावर माइन्स में जनजाति वर्ग के युवाओं को आईटीआई तथा पॉलिटेक्निक के माध्यम से प्रशिक्षित करने तथा क्षेत्र में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करवाने के लिए पंचायतों से किये गए समझौते को लागू करवाने के लिए आवश्यक कदम उठाये जाएंगे। उन्होंने सदन को बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2022 में हिन्दस्थान जिंक लिमिटेड उदयपुर का वेदांता ग्रुप द्वारा अधिग्रहण किया गया था। वर्तमान में यहाँ 514 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें स्थानीय लोगों का उचित प्रतिनिधित्व है। इससे पहले विधायक फूल सिंह मीणा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने बताया कि उदयपुर में जावर माइन्स में वर्ष 2020 से अब तक वेदान्ता ग्रुप (मुख्य नियोजक) के रुप में पंजीकृत है। वर्तमान में 50 कम्पनियों के कुल 6 हजार 280 कार्मिक ठेका श्रमिक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने इसकी सूचि सदन के पटल पर रखी

जेडीए की बड़ी कार्रवाई 28 बीघा भूमि पर दो अवैध कॉलोनियों को किया पूर्णत: ध्वस्त

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण जोन-10 में निजी खातेदारी की करीब 08 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी को पूर्णतः ध्वस्त किया गया। जोन-12 में निजी खातेदारी की करीब 20 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी को पूर्णतः ध्वस्त किया गया। महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि जोन-10 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित जे.एन.यू. हॉस्पिटल के पास, जगतपुरा में शानू हॉस्टल एण्ड गेस्ट हाउस के पास, जिला जयपुर में करीब 08 बीघा निजी खातेदारी एकल पट्टे की भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर आवासीय नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जेडीए द्वारा जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित सीकर रोड़, चौमू के पास बंजारा हिल्स के पीछे, जिला जयपुर में करीब 20 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर "द्वारका सिटी" के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, प्लाटों की बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-द्वितीय, तृतीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-10, 12 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई। प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा वर्ष 2024 में 383 व वर्ष 2025 में 68 आज तक कुल 451 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।

मरीजों को निजी चिकित्सालयों में अनावश्यक रेफर करने पर राजकीय चिकित्सक के विरुद्ध सख्त का कार्रवाई की जाएगी - चिकित्सा शिक्षा मंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा शिक्षा मंत्री गजेन्द्र सिंह ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि राजकीय चिकित्सकों द्वारा मरीजों को अनावश्यक रूप से निजी चिकित्सालयों में रेफर किए जाने की शिकायत प्राप्त होने पर सम्बंधित चिकित्सक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा शिक्षा मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में तत्कालीन सरकार द्वारा चिकित्सा संस्थाओं के पीपीपी मोड पर संचालन को बंद कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि पीपीपी मोड पर संचालित चिकित्सा संस्थाओं में 1 मेडिकल ऑफिसर एवं 11 अन्य स्टाफ पर राज्य सरकार द्वारा प्रतिमाह 1 लाख 80 हजार से 2.50 लाख रुपये तक का व्यय किया जाता था। चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरक़ार द्वारा वर्तमान में प्रदेश में चिकित्सा संस्थाओं को पीपीपी मोड पर दिए जाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। इससे पहले विधायक बहादुर सिंह के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने कहा कि वर्तमान में भरतपुर जिले में किसी भी चिकित्सा संस्थाओं को पीपीपी मोड पर नही दिया गया है

वन भूमि पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं - वन राज्य मंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि वन भूमि पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राज्य सरकार वन भूमि पर अतिक्रमण करने वालों पर कड़ी कार्रवाई कर रही है। वन क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाकर भूमि को सुरक्षित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विधान सभा क्षेत्र छबड़ा के अल्लापुरा गांव में वन विभाग की भूमि पर अनाधिकृत कब्जे के सभी 9 प्रकरणों में कब्जाधारियों को नोटिस उपरांत पैनल्टी लगाकर सभी अतिक्रमियों को वन भूमि से बेदखल कर दिया गया है। वन राज्य मंत्री गुरुवार को प्रश्नकाल में इस संबंध में सदस्य द्वारा पूछे गये पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। इससे पहले विधायक प्रताप सिंह सिंघवी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि छबड़ा क्षेत्र के गांव जांचरोडा, अल्लापुर, कडैयाचोर तथा कादरपुरा में वन विभाग की भूमि पर अनाधिकृत कब्जा है। उन्होंने अनाधिकृत कब्जेधारियों का विवरण सदन के पटल पर रखा। वन राज्य मंत्री ने बताया कि इन गांवों से अतिक्रमण हटाये जाने हेतु एलआरए-91 के प्रकरण बनाकर न्यायालय सहायक वन संरक्षक, छीपाबड़ौद में प्रस्तुत किये गये हैं। न्यायालय के निर्णय उपरान्त नियमानुसार अतिक्रमियों को वन भूमि से बेदखल करने की कार्यवाही की जाएगी। शर्मा ने कहा कि लापरवाह अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कार्यवाही करने हेतु 25 फरवरी 2025 को प्रधान मुख्य वन संरक्षक, (वन बल प्रमुख) राजस्थान जयपुर के कार्यालय आदेश क्रमांक एफ11(10) जांच/ प्रमुवसं./2025/ राज काज नं.13814903 के द्वारा रेंज छबड़ा में वन भूमि के अतिक्रमण के क्रम में वन संरक्षक (मूल्यांकन एवं प्रबोधन) कार्यालय मुख्य वन संरक्षक, कोटा को प्रारंभिक जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने सखी वनस्टॉप सेंटर सवाई माधोपुर का मासिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम ने गुरूवार को सखी वनस्टॉप सेंटर का मासिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने सखी वनस्टॉप सेंटर की केंद्र प्रबंधक हीना सिंह से वनस्टॉप सेंटर में पीड़िताओं की संख्या, पीड़िताओं को दी जाने वाली विधिक सहायता, चिकित्सकीय सुविधाओं, कुशल परामर्शदाता, पीड़िताओं को अस्थाई आश्रय की सुविधा, स्नानागार, पर्याप्त ओढ़ने-बिछाने की व्यवस्था, पीड़िताओ के दैनिक उपयोग की वस्तुओं की उपलब्धता, भोजन-पेयजल की व्यवस्था, पीड़िताओ के साथ घटित घटना के संबंध में पुलिस के प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाने की कार्यवाही आदि के संबंध में पूछताछ की। साथ ही पीड़िताओ के प्रकरणों के संबंध में जानकारी ली।

सचिव समीक्षा गौतम ने मौके पर उपस्थित केंद्र प्रबंधक हीना सिंह को सखी वनस्टॉप सेंटर पर आने वाली पीड़िताओ एवं अन्य महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता, पीड़ित प्रतिकर योजना आदि के संबंध में जानकारी प्रदान करने के लिए निर्देशित किया, साथ ही पीड़िताओं को तत्काल सहायता उपलब्ध करवाने के संबंध में निर्देश प्रदान किए गए। दौराने निरीक्षण काउंसलर सुनिता गौतम, सहायिका विनीता शर्मा उपस्थित रही।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत कार्यशाला का हुआ आयोजन

- जिला कलक्टर ने नि-क्षय मित्र बन मरीजों को वितरित की पोषण सहायता

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला कलक्टर शुभम चौधरी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस दौरान जिला कलक्टर द्वारा नि-क्षय मित्र बनकर टीबी मरीज को पोषण सहायता प्रदान की गई।

प्रत्येक ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त करने की दिशा में अधिकारी करें प्रभावी कार्य:- कार्यशाला में जिला कलक्टर द्वारा शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, रसद विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं जिले के समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को टीबी रोग के प्रति जागरुक रहकर ज्यादा से ज्यादा नि-क्षय मित्र बनाकर जिले में टीबी का इलाज ले रहे मरीजों को उनके माध्यम से पोषण किट उपलब्ध करवाने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने बैठक में अधिकारियों को प्रत्येक ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त करने की दिशा में प्रभावी कार्य करने के निर्देश दिए जिससे कि केन्द्र सरकार की मंशानुरूप टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान सफल हो सके।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैमिनी ने समस्त खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को केम्पेन के तहत शत प्रतिशत एक्स-रे, नॉट एवं नि-क्षय मित्र बनवाने हेतु जनप्रतिनिधियों एवं भामाशाहों को जागरुक करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि जिस प्रकार जिला कलेक्टर ने निक्षय मित्र बनकर पोषण सहायता उपलब्ध करवाई है ऐसे ही पोषण सहायता उपलब्ध करवाकर अन्य अधिकारी भी निक्षय मित्र बन सकते हैं। उन्होंने समस्त विभागों के अधिकारियों को भी निक्षय मित्र बनने हेतु प्रेरित किया।

इस दौरान जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अमित कुमार गोयल द्वारा क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। उन्होंने निक्षय मित्र विषय पर जिले में समीक्षा करते हुए कहा कि टीबी के मरीजों को सहायता प्रदान करने के लिए जिले में भामाशाहों को चिन्हित कर प्रेरित करें एवं जरूरत अनुसार निक्षय मित्रो की नियुक्ति करे जिससे कि टीबी के मरीजों की देखभाल व पोषण किट समय पर जरूरत अनुसार वितरित हो सके। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विभाग द्वारा तय 6 पैरामीटर के अनुसार प्रभावी कार्य करने वाली ग्राम पंचायतो को चिन्हित कर टीबी मुक्त अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवी संस्थाओं का भी चिन्हीकरण किया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न विभागों के सहयोग से जिले भर में अनेक जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। बैठक में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

माण्डलगढ़ में किराए के भवनों में संचालित 4 आंगनबाड़ी केन्द्रों के भवन निर्माण के लिए कार्रवाई प्रक्रियाधीन - दिया कुमारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने गुरूवार को विधानसभा में कहा कि विधानसभा क्षेत्र माण्डलगढ़ में कुल 24 आंगनबाड़ी केन्द्र ऐसे हैं, जो किराए के भवनों में संचालित हैं। इनमें से 4 केन्द्रों के लिए भूमि आवंटन किया जा चुका है तथा भवन निर्माण के लिए प्रक्रिया चालू है। शेष 20 केन्द्रों के लिए भूमि आवंटन के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भूमि आवंटन के पश्चात् बजट उपलब्धता एवं प्राथमिकता के आधार पर भवन निर्माण का कार्रवाई की जाएगी। महिला एवं बाल विकास मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों के नवीन भवनों का निर्माण नरेगा योजना के अन्तर्गत कन्वर्जेंस के माध्यम से करवाया जाता है। केन्द्र सरकार के मानदण्डों के अनुसार एक भवन के निर्माण के लिए 12 लाख रुपये की राशि निर्धारित की गई है। जिसमें से 2 लाख रुपये विभाग द्वारा, 8 लाख रुपये नरेगा कन्वर्जेन्स से तथा 2 लाख रुपये पंद्रहवें वित्त आयोग या जिला परिषद द्वारा अन्य किसी अनटाइड फण्ड से लिए जाते हैं। इससे पहले विधायक गोपाल लाल शर्मा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र माण्डलगढ़ के अन्तर्गत दो परियोजनाओं माण्डलगढ़ एवं कोटड़ी के अधीन कुल 373 आंगनबाड़ी केन्द्र स्वीकृत हैं, जिनमें से 372 केन्द्र वर्तमान में संचालित किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 254 आंगनबाड़ी केन्द्र विभागीय भवनों में संचालित हैं। इसी प्रकार किराए के भवनों में 24, विद्यालयों में 92 तथा अन्य भवनों में 2 आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभागीय भवन के अलावा अन्यत्र संचालित किये जाने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों के भवन निर्माण का कार्य पंचायतीराज, स्थानीय निकाय, राजस्व विभाग से नि:शुल्क भूमि आंवटन हो जाने पर विभाग द्वारा वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर प्राथमिकता से क्रमश: किराये के भवनों, नि:शुल्क भवनों, सामुदायिक भवनों एवं अंत में राजकीय विद्यालयों में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिये करवाया जाता है। उन्होंने बताया कि किराये में संचालित 24 आंगनबाड़ी केन्द्रों में से 4 आंगनबाड़ी केन्द्रों क्रमशः पीपली का डेरा (जलीन्द्री), धाबाई की झोंपड़िया (बरून्दनी), सारण का खेड़ा (महुआ), फूलजी की खेड़ी(श्यामगढ़) के लिये भूमि आंवटन हो चुका है। इन केन्द्रों के भवन निर्माण हेतु अग्रिम कार्रवाई प्रक्रियाधीन है

जिला प्रशासन की रीट परीक्षार्थियों के लिए विशेष व्यवस्था

-रैन बसेरो में परीक्षार्थियों की संख्या अधिक होने पर नगर परिषद परिसर में कराया रात्रि विश्राम

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर शुभम चौधरी के निर्देश पर जिले में 27 एवं 28 फरवरी को अध्यापक पात्रता परीक्षा के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष इंतजाम किए गए है। प्रशासन द्वारा बाहरी जिलों से आने वाले परीक्षार्थियों के लिए भी ठहरने और भोजन की व्यवस्था की गई है।

नगर परिषद आयुक्त नरसी मीना ने बताया कि जिला कलक्टर के निर्देश पर रीट परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए नगर परिषद द्वारा संचालित रैन बसेरे में ठहरने की व्यवस्था की गई है। साथ ही अन्नपूर्णा रसोई के माध्यम से गुणवत्तायुक्त भोजन के पैकेट भी अभ्यर्थियों को उपलब्ध करवाए गए है। नगर परिषद आयुक्त ने बताया कि रात्रि में रैन बसेरे में परीक्षार्थियों की संख्या अधिक बढ़ने पर नगर परिषद परिसर में परीक्षार्थियों के ठहरने की व्यवस्था की गई।

आयुक्त ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा:- जिले में परीक्षा देने के लिए ट्रैन एवं बसों से आए अभ्यर्थियों के आने का सिलसिला देर रात तक जारी रहा। नगर परिषद आयुक्त ने कर्मचारियों के साथ देर रात तक फील्ड पर रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर के निर्देश पर रीट परीक्षार्थियों के लिए आगे भी व्यवस्था सुचारू रूप से जारी रहेगी। किसी भी परीक्षार्थी को कोई भी असुविधा न हो, इसके लिए नगर परिषद की ओर से विशेष व्यवस्था की गई है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष ने उप कारागृह गंगापुर सिटी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सवाई माधोपुर देवेंद्र दीक्षित ने गुरूवार को उप कारागृह गंगापुर सिटी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष ने मौके पर उपस्थित मुख्य प्रहरी विदेश कुमार से उप कारागृह में बंदियों की संख्या, प्रथम बार अपराध करने वाले बंदियों के नाम, पता व उनकी संख्या, बंदियों को दिए जाने वाले भोजन, पेयजल, चिकित्सकीय सुविधाओं आदि के संबंध में पूछताछ की। इसके साथ ही बंदियों से वार्ता कर उनके मुकदमों, संबंधित न्यायालय, परिजनों से बातचीत के समय आदि के संबंध में पूछताछ कर उनकी समस्याओं को सुना। निरीक्षण के दौरान कारागृह प्रबंधन द्वारा बंदियों को प्रदान की जाने वाली आवश्यक सुविधाएं संतोषजनक पाई गई, साथ ही कारागृह परिसर एवं बैरकों की साफ-सफाई भी ठीक पाई गई। इस दौरान कुल 89 बंदी उपस्थित पाए गए। साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष ने उप कारागृह परिसर में स्थित प्रिजन लीगल एड क्लीनिक का विजिट कर प्रिजन लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से बंदियों को उपलब्ध करवाई जा रही निःशुल्क विधिक सलाह एवं सहायता के संबंध में पूछताछ की। निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम द्वारा बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों, बंदियों के कल्याण की योजनाओं के संबंध में जागरूक किया गया, साथ ही भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 479 के संबंध में जानकारी प्रदान कर उपस्थित बंदीजन को अपराधों एवं नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया।

बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं योजना के तहत गिराड़ा आंगनबाडी केन्द्र पर बालिका जन्मोत्सव मनाया

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग पाली के संयुक्त तत्वावधन में ग्राम पंचायत गिराड़ा के आंगनबाड़ी केंद्र जबरिया पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत बालिका जन्मोत्सव पर बालिकाओं को कुमकुम लगाकर, माला पहनाकर और उपहार के रूप में उन्हें ड्रेस देकर जन्मोत्सव मनाया गया। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक भगीरथ चौधरी ने बताया कि राजस्थान मरु उडान कार्यक्रम अंतर्गत करियर से संबंधित संवाद कार्यक्रम के तहत ग्रामीण मंत्रालय, भारत सरकार एवं एसबीआई बैंक द्वारा प्रायोजित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी, पाली के निदेशक सावाराम मीणा ने ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए कौशल प्रशिक्षण की विस्तार से जानकारी दी तथा स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला हब एंपावरमेंट ऑफ वूमेन से जेंडर स्पेशलिस्ट राजश्री ने उपस्थित बालिकाओं से करियर के विभिन्न विकल्पों के बारे में चर्चा की और उन विकल्पों से संबंधित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन के बारे में बताया। इस सत्र में उपस्थित कक्षा 9वीं व 11वीं से 20 की बालिकाओं को बताया कि अभी से वे अपने करियर के प्रति सतर्क और जागरूक रहे और अपने लक्ष्य संधान करने की इच्छा उत्पन्न करने के साथ ही अपनी क्षमताओं को तरासना है। इस कार्यक्रम में जबरिया आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनिता सिंह, भाटों की ढाणी से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता इंदिरा परिहार, एसबीआई आरसेटी से अनुदेशक नेतराम पुनीत त्रिवेदी, शिक्षा विभाग से प्रिंसिपल रीता परिहार, अध्यापक सुरेश शर्मा, एएनएम जय एवं अनेक ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रही।

गिव-अप अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत अपात्र लोगों को 31 मार्च तक स्वेच्छा से नाम हटाने का मौका

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिले में गिव अप अभियान के तहत स्वेच्छा से नाम हटाने की अंतिम तारीख 28 फरवरी, 2025 थी, जिसको खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग जयपुर ने बढाकर अंतिम दिनांक 31 मार्च, 2025 कर दी गई है। जिला रसद अधिकारी मनजीत सिंह ने बताया कि जिले में प्रवर्तन स्टाफ के द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर आयकरदाता, एक लाख से अधिक आय, चौपहिया वाहन एवं सरकारी/अर्द्ध सरकारी कार्मिक इत्यादि कारणों के आधार पर खाद्य सुरक्षा योजना के तहत 98 परिवार अपात्र पाये जाने पर ऐसे परिवारों को चिन्हिकरण कर नोटिस जारी किया गया है तथा उक्त परिवारों को दिनांक 31 मार्च 2025 तक अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाने हेतु आवेदन करने की भी हिदायत दी गई, जिनके द्वारा दिनांक 31 मार्च 2025 तक नाम नहीं हटवाने पर संबंधित के विरूद्ध सख्त विभागीय कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने बताया कि जिले में गिव अप अभियान के तहत दिनांक 03 दिसम्बर 2024 से अब तक कुल 4417 परिवारों के 18775 सदस्यों ने द्वारा स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा से हटवाया गया है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत मिलने वाले लाभ के लिए अपात्र व्यक्तियों को स्वेच्छा से अपना नाम हटवाने के लिए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा अपात्र लोगों को अब दिनांक 31 मार्च, 2025 तक अंतिम मौका दिया है। अंतिम तारीख के बाद अपात्र लोगों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाकर अब तक प्राप्त किये गये गेंहूँ की बाजार कीमत पर वसूली भी की जायेगी। उक्त संबंध में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा अपात्र लोगों को स्वेच्छा से नाम हटाने के लिए "गिव-अप अभियान" प्रारंभ किया गया है। उक्त अभियान के तहत आयकर दाता, चौपहिया वाहन धारक, सरकारी कर्मचारी या अन्य आर्थिक रूप से सक्षम व्यक्ति दिनांक 31 मार्च, 2025 तक खाद्य सुरक्षा योजना से अपना नाम स्वेच्छा से हटवा सकते है। जिसके लिए जिले की समस्त उचित मूल्य दुकानों पर निर्धारित आवेदन पत्र भी उपलब्ध करवा दिए गए है। ऐसे अपात्र परिवार खाद्य विभाग के पोर्टल food.rajasthan.gov.in पर जाकर या भौतिक रूप से नजदीकी उचित मूल्य दुकान पर जाकर अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटाने हेतु आवेदन कर सकते है।

चुनाव संबंधी गलत एवं भ्रामक सूचनाओं पर निगरानी के लिए जिला स्तरीय समितियां होगी अधिक सक्रिय

-मुख्य जिला निर्वाचन अधिकारी सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को जारी किए निर्देश

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान निर्वाचन विभाग एवं भारत निर्वाचन आयोग की गतिविधियों तथा क्रियाकलापों सहित लोकसभा और राज्य विधानसभा से सम्बंधित चुनावी प्रक्रिया के बारे में जन संचार माध्यमों में भ्रामक अथवा गलत खबरों, सूचनाओं (फेक न्यूज) के प्रसारण को रोकने के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाएगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने इसके लिए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों (कलक्टर) को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने निर्वाचन विभाग में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में प्रसारित चुनाव संबंधी सूचनाओं की मॉनिटरिंग एवं कार्यवाही के लिए राज्य स्तर पर सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में एक चार-सदस्यीय मीडिया मॉनिटरिंग एवं क्रियान्वयन समिति गठित की है। यह समिति मीडिया में प्रकाशित भ्रामक जानकारी एवं गलत तथ्यों वाले समाचारों के बारे में जिला स्तर पर की जाने वाली कार्यवाही के लिए समन्वय का कार्य करेगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि जिलों में विभिन्न मीडिया माध्यमों यथा समाचार-पत्र पत्रिकाओं, समाचार चैनल और सोशल मीडिया की नियमित रूप से प्रभावी निगरानी की जाए। इसके लिए जिला स्तरीय मीडिया मॉनिटरिंग एवं सर्टिफिकेशन समिति (डीएमसीएमसी) सक्रिय रहकर प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया माध्यमों पर निर्वाचन आयोग और चुनावी प्रक्रिया के सम्बन्ध में प्रकाशित अथवा प्रसारित संवेदनशील खबर और सूचना विशेष पर नजर रखे। किसी भ्रामक, गलत अथवा संदेहास्पद सूचना के प्रकाशन पर त्वरित संज्ञान लेकर सम्बंधित विभाग अथवा शाखा से उसका तथ्यात्मक विवरण प्राप्त कर सही जानकारी एवं तथ्य सार्वजनिक रूप से प्रकाशित किए जाएं। गौरतलब है कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी जिलों में जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय समिति (डीएमसीएमसी) कार्यरत है। इस समिति में सहायक रिटर्निंग अधिकारी, जिले में कार्यरत केन्द्र सरकार के सूचना सेवा के अधिकारी, स्थानीय स्वतंत्र पत्रकार और सोशल मीडिया विशेषज्ञ सदस्य के रूप में शामिल हैं। जिला सूचना एवं जन सम्पर्क कार्यालय के प्रभारी अधिकारी इस समिति का सदस्य सचिव है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस समिति को अधिक सजग और सक्रिय रहकर मीडिया में प्रसारित चुनावी प्रक्रिया से जुड़ी सूचनाओं की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा है कि जिला समिति स्थानीय स्तर पर प्रकाशित अथवा प्रसारित हुई फेक न्यूज तथा उसके विषय में की गई कार्यवाही के बारे में विभाग को तत्काल अवगत करवाएगी।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर द्वारा राजस्थान अध्यापक पात्रता (रीट) परीक्षार्थी उपस्थित रहे

पाली, (रॉयल पत्रिका)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर द्वारा राजस्थान अध्यापक पात्रता (रीट) परीक्षा 2024 का आयोजन गुरूवार को दो पारियों में हुई जिसमें प्रथम पारी में 91.66 प्रतिशत एवं द्वितीय पारी में 95.29 प्रतिशत परीक्षार्थी उपस्थित रहें। जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने बताया कि गुरूवार को पाली जिला मुख्यालय पर रीट परीक्षा आयोजित की गई। जिनमें प्रथम पारी में 11 परीक्षा केन्द्रों पर कुल 3478 परीक्षार्थियों में से 3188 परीक्षार्थी उपस्थित रहे एवं 290 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे तथा द्वितीय पारी में 21 परीक्षा केन्द्रों पर कुल 6694 परीक्षार्थियों में से 6379 परीक्षार्थी उपस्थित एवं 315 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को तृतीय पारी प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक जिला मुख्यालय के 20 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जायेगी। परीक्षा के लिए नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है जिसके दूरभाष नं. 02932-252804 रहेंगे जो कि 25 से 28 फरवरी 2025 को अजमेर सामग्री रवाना होने तक संचालित रहेगा। गुरूवार को परीक्षा समाप्ति पश्चात् दोनो पारियों की प्रयुक्त ओ.एम.आर. शीट प्रत्येक दिन परीक्षा समाप्ति पश्चात अजमेर बोर्ड कार्यालय प्रेषित की जायेगी। जिला कलक्टर ने बताया कि जिले के सभी पर परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई। शुक्रवार को जिला मुख्यालय के 20 परीक्षा केन्द्रों पर तृतीय पारी में लेवल-2 के 6459 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। परीक्षा के लिए आगामी सभी तैयारियां पूर्ण की ली गई है।

रोजगार शिविर 28 फरवरी को बांगड़ स्कूल खेल मैदान में आयोजित

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन एवं रोजगार कार्यालय के सहयोग से शिक्षित बेरोजगार आशार्थियों को लाभान्वित करने के लिए एक दिवसीय रोजगार शिविर 28 फरवरी को प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक स्थानीय राजकीय बांगड उच्च माध्यमिक विद्यालय मैदान में आयोजित किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी मनीष थोरी ने बताया कि एक दिवसीय रोजगार शिविर में निजी क्षेत्रों की 20 से ज्यादा विभिन्न कंपनियों को बुलाया गया है जिससे बेरोजगार आशार्थियों को निजी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकेंगे।

पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के रूप में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई महत्वाकांक्षी पहल को प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व एवं दिशा-निर्देशन में राज्य को विद्त उत्पादन में सरप्लस बनाने एवं परिवारों को 24 घंटे मुफ्त विद्त उपलब्ध कराने के लक्ष्यानुसार योजना को तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है। सौर ऊर्जा को घर-घर तक पहुंचाने के लिए राज्य में अब तक हजारों रूफ टॉप सोलर लगाए जा चुके हैं। आदर्श सौर ग्राम योजना के तहत प्रत्येक जिले में 5 हजार से अधिक आबादी वाले गांवों का चिन्हिकरण कर एक करोड़ रूपए के केन्द्रीय सहायता के माध्यम से एक मॉडल सौर गांव विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना के लाभान्वित परिवारों को 150 यूनिट बिजली प्रतिमाह निःशुल्कः- बजट 2025-26 के तहत निःशुल्क घरेलू बिजली योजना में लाभार्थी परिवारों को और अधिक लाभ देने व सरकार के वित्तीय भार पर नियंत्रण करने के उद्देश्य की पूर्ति के लिए पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेवलेज कर मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना के लाभान्वित परिवारों को चरणबद्ध रूप से निःशुल्क सोलर प्लांट्स लगाते हुए 150 यूनिट बिजली प्रतिमाह निःशुल्क उपलब्ध करवाने की घोषणा की है। साथ ही अल्प आय वर्ग के परिवारों के लिए सामुदायिक सौलर प्लांट स्थापित किए जाएंगे।

क्या है पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजनाः- माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने छत पर सौर ऊर्जा स्थापित करने और एक करोड़ घरों के लिए हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करने हेतु पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी दी। योजना में 2 किलोवाट क्षमता वाली प्रणाली के लिए प्रणालीगत लागत के 60 प्रतिशत और 2 से 3 किलोवाट क्षमता वाली प्रणाली के लिए अतिरिक्त प्रणालीगत लागत के 40 प्रतिशत के बराबर सब्सिडी प्रदान की जा रही है। सब्सिडी को 3 किलोवाट पर सीमित किया गया है। मौजूदा मानक कीमतों पर, इसका आशय 1 किलोवाट क्षमता वाली प्रणाली के लिए 30 हजार रुपये, 2 किलोवाट क्षमता वाली प्रणाली के लिए 60 हजार रुपये और 3 किलोवाट या उससे अधिक वाली प्रणाली के लिए 78 हजार रुपये की सब्सिडी से है। इस योजना के माध्यम से, शामिल घर बिजली बिल बचाने के साथ-साथ डिस्कॉम को अधिशेष बिजली की बिक्री के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित करने में सक्षम होंगे। 3 किलोवाट क्षमता वाली एक प्रणाली एक घर के लिए औसतन प्रति माह 300 से अधिक यूनिट उत्पन्न करने में सक्षम होगी।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का ऐसे उठाएं लाभः- अधीक्षण अभियंता बी.एल. मीणा ने बताया कि पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में आवेदन के लिए शर्तों में आवेदक के पास एक घर होना चाहिए, जिसकी छत सौर पैनल लगाने के लिए उपयुक्त हो। घर के पास वैध बिजली कनेक्शन होना चाहिए। सोलर पैनल के लिए किसी अन्य सब्सिडी का आवेदक लाभ नहीं ले रहा हो। इस योजना में शामिल होने वाले परिवार राष्ट्रीय पोर्टल के माध्यम से सब्सिडी के लिए आवेदन करने और छत पर सौर ऊर्जा स्थापित करने के लिए एक उपयुक्त विक्रेता का चयन करने में सक्षम होंगे। राष्ट्रीय पोर्टल स्थापित की जाने वाली प्रणाली के उचित आकार, लाभ की गणना, विक्रेता की रेटिंग आदि के बारे में प्रासंगिक जानकारी प्रदान करके परिवारों को उनकी निर्णय लेने की प्रक्रिया में सहायता प्रदान करेगा। सरकार ने इस योजना की शुरुआत के बाद से जागरूकता बढ़ाने और इच्छुक परिवारों से आवेदन प्राप्त करने हेतु एक व्यापक अभियान शुरू किया है। इस योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के इच्छुक परिवार https://pmsuryagarh.gov.in पर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए जयपुर डिस्कॉम (आरई-डीएसएम) कॉल सेन्टर 0141-2209533 एवं नेशनल सोलर पोर्टल 18001803333 पर सम्पर्क कर सकते है।

जिले में 1 हजार 110 परिवारों ने कराया रजिस्ट्रेशनः- पीएम सूर्य घर योजना रूफ टॉप सोलर के माध्यम से सौर ऊर्जा को घर-घर तक पहुंचाने की महत्वाकांक्षी पहल के तहत सवाई माधोपुर जिले में अब तक 1 हजार 110 परिवारों ने रजिस्ट्रेशन करवाते हुए 349 ने वेन्डर का सिलेक्शन कर लिया है। इनमें से 150 आवेदको के घरों में रूफ टॉप सोलर लगाए भी जा चुके हैं।

8 से 10 मार्च तक जिले में विशाल कृषि मेला

-कृषि महोत्सव - 2025 उन्नत कृषि तकनीकी मेले के पोस्टर का जिला कलेक्टर ने किया विमोचन

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। जिले में 8 से 10 मार्च तक तीन दिवसीय भव्य कृषि मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसकी तैयारियों को लेकर जिला कलेक्टर काना राम ने गुरुवार को संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। इस मौके पर जिला कलेक्टर ने एसकेडी विश्वविद्यालय के निदेशक बाबूलाल जुनेजा, कृषि संयुक्त निदेशक डॉ. प्रमोद कुमार, आत्मा परियोजना निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र डूडी सहित अधिकारियों के साथ कृषि महोत्सव-2025 मेले के पोस्टर का विमोचन किया। विदित रहें कि समृद्ध किसान - विकसित राजस्थान की थीम पर कृषि महोत्सव- 2025 उन्नत कृषि तकनीकी मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले का आयोजन हनुमानगढ़ जंक्शन से सूरतगढ़ रोड़ पर स्थित खुशालदास विश्वविद्यालय में किया जाएगा। जिला कलेक्टर ने कहा कि जिले में एक विशाल किसान मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले का आयोजन एसकेडी विश्वविद्यालय सहित कृषि, उद्यान, पशुपालन, डेयरी, कृषि विपणन एवं आत्मा विभाग के संयुक्त प्रयास से किया जा रहा है। पूर्व में किसानों को दिल्ली और अन्य स्थानों पर जाकर किसान मेलों में भाग लेना पड़ता था, लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप अब किसान मेले का आयोजन जिले में ही किया जा रहा हैं, ताकि किसान भाइयों को अधिक लाभ मिल सके और वे अपनी आजीविका को सशक्त बना सकें। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, आदान प्रबंधन, रखरखाव, एवं कृषक कल्याण योजना की जानकारी एक ही स्थान पर प्रदान करना है, ताकि किसान नवीन तकनीकों को अपनाकर कृषि में नवाचार कर सकें। उन्होंने जिले के सभी किसान भाइयों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस मेले में भाग लें और इसका पूरा लाभ उठाएं। एसकेडी विश्वविद्यालय के निदेशक बाबूलाल जुनेजा ने बताया कि देशभर से कृषि स्टार्टअप्स को इस मेले में आमंत्रित किया गया है, जो किसानों को नए अवसर प्रदान करेंगे। इसके अलावा, किसानों के लिए लाभदायक मशीनरी का प्रदर्शन भी किया जाएगा। दिल्ली, हिसार और लुधियाना में जो नवाचार प्रदर्शित होते हैं, उससे भी बेहतर नवाचार इस मेले का आकर्षण रहेंगे। इसलिए उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे इस मेले में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हों। एटीसी में कार्यरत डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि इस मेले में कृषि विशेषज्ञ और वैज्ञानिक किसानों से संवाद करेंगे और उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे। साथ ही, पशुपालन एवं कृषि से संबंधित विभिन्न प्रदर्शनियां और प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। यह मेला अपने आप में एक अनोखा आयोजन होगा और जिले के किसानों के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध होगा। मेले में यह रहेगा आकर्षण का केंद्रः- मेले में आधुनिक कृषि में ड्रोन के उपयोग का लाइव डेमो, स्मार्ट फार्मिंग मॉडल के तहत नवाचार और तकनीक से भरपूर खेती के स्मार्ट समाधान, जैविक एवं प्राकृतिक खेती के तहत केमिकल मुक्त खेती और प्राकृतिक पद्धतियों का प्रदर्शन किया जाएगा। कृषि स्टार्टअप एवं एफपीओ द्वारा नए कृषि उद्यमों और किसानों के उत्पादों की प्रस्तुति दी जाएगी। हाईटेक बागवानी के तहत आधुनिक तकनीकों से उन्नत फल-सब्जी उत्पादन, कृषि कल्याणकारी योजनाएँ के तहत सरकार की नई योजनाओ की जानकारी प्रदान की जाएगी। कृषक करेंगे कृषि वैज्ञानिकों से संवादः- शंकाओं का होगा समाधान विशेष आकर्षण का केंद्र कृषक वैज्ञानिक संवाद रहेगा, जिसमें कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को नवीन कृषि तकनीकी के बारे में बताया जाएगा। उन्नत पशुओं की प्रतियोगिता का प्रदर्शन किया जाएगा एवं डेयरी और पशुपालन में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले कृषकों का सम्मान किया जाएगा। मेले में लोक कला, नृत्य और संगीत से सराबोर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें पंजाबी, राजस्थानी एवं हरियाणा के मशहूर कलाकार हिस्सा लेंगे।

महिला प्रशिक्षणार्थियों को डेयरी फार्मिंग एवं वर्मी कम्पोस्ट मेकिंग का दिया प्रशिक्षण

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा प्रायोजित बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान सवाई माधोपुर द्वारा ग्राम-हरिपुरा मेडी, तहसील-वजीरपुर (गंगापुर सिटी) की राजीविका से जुड़ी 30 महिला प्रशिक्षणार्थियों को 10 दिवसीय निशुल्क डेयरी फार्मिंग एवं वर्मी कम्पोस्ट मेकिंग का प्रशिक्षण दिया। जिसका समापन 25 फरवरी 2025 को हुआ।

प्रशिक्षण में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा चलाए जा रहे वित्तीय साक्षरता सप्ताह के अंतर्गत छोटी-छोटी बचत, सिबिल स्कोर की महत्ता, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, साइबर फ्रॉड, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति तथा जीवन सुरक्षा बीमा आदि योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। समापन के दौरान सभी महिला प्रशिक्षणार्थियों को इंडस्ट्री विजिट के लिए मैनपुरा स्थित शबरी डेयरी फार्म का भ्रमण कराया गया। शबरी डेयरी फार्म पर महिलाओं को डेयरी फार्मिंग, बकरी पालन, ऑर्गेनिक फॉर्मिंग तथा व वर्मी कंपोस्ट, वर्मी कीटनाशक बनाने की संपूर्ण जानकारी दी। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में बताया।

इस अवसर पर महिलाओं को स्वरोजगार एवं सशक्त उद्यमी बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शबरी डेयरी फार्म की विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया तथा नव स्थापित गोबर गैस प्लांट की जानकारी दी।

कार्यक्रम में बड़ौदा आर.सेटी. सवाई माधोपुर संस्थान के निदेशक नीरज गोपालिया, फैकल्टी राजेंद्र कुमार, लोकेश जांगिड़ एवं अन्य स्टाफ मनराज, निरमा चौधरी,

गिव अप अभियान की वैधता अवधि 31 मार्च 2025 तक बढायी

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिला रसद अधिकारी अनिल चौधरी ने बताया कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा संचालित गिव अप अभियान अंतर्गत सक्षम व्यक्तियों द्वारा खाद्य सुरक्षा योजना से स्वेच्छा से नाम हटवाने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 तक बढायी गयी है। उपभोक्ताओं के बैंक खाते और परिवहन विभाग आदि की जानकारी जुटाई जा रही है। इनके अलावा योजना के तहत अपात्र पाए जाने वाले उपभोक्ताओं से 27 रुपए प्रति किलो के हिसाब से वसूली की तैयारी शुरू कर दी है। विभाग द्वारा बारां जिले मे वर्तमान मे 208 राशन कार्ड धारकों को नोटिस जारी किए जा चुके है। जिसमे बारां ब्लॉक के 16, अंता ब्लॉक के 22, मांगरोल ब्लॉक के 4, अटरू ब्लॉक के 24, छबड़ा ब्लॉक के 32, छीपाबड़ौद ब्लॉक के 79, किशनगंज ब्लॉक के 16 तथा शाहाबाद ब्लॉक के 15 राशन कार्ड धारक शामिल है।

ये होंगे योजना से बाहर -

1. ऐसे परिवार जिसका कोई भी एक सदस्य आयकर दाता हो।
2. ऐसे परिवार जिसका कोई भी एक सदस्य सरकारी/अर्द्ध सरकारी/स्वायत्तशासी संस्थाओं में नियमित कर्मचारी/अधिकारी हो अथवा 1 लाख से अधिक पेंशन प्राप्त करता हों।
3. ऐसे परिवार जिसके किसी भी एक सदस्य के पास चार पहिया वाहन हो (टे*क्टर एवं वाणिज्यिक वाहन को छोड़कर, जो जीविकोपार्जन के उपयोग में आता हों)
4. नगर निगम/नगर परिषद क्षेत्र में 1000 वर्ग फीट से अधिक क्षेत्रफल में निर्मित पक्का आवासीय/ व्यवसायिक परिसर धारी परिवार (कच्ची बस्ती को छोड़कर)
5. नगर पालिका क्षेत्र में 1500 वर्ग फीट से अधिक क्षेत्रफल में निर्मित पक्का आवासीय /व्यवसायिक परिसर धारी परिवार (कच्ची बस्ती को छोड़कर)
6. एक लाख रू. वार्षिक से अधिक आय सीमा वाले परिवार।
7. ऐसे परिवार जिनके सभी सदस्यों के स्वामित्व में कुल कृषि भूमि लघु कृषक हेतु निर्धारित सीमा से अधिक हो।
8. ऐसे परिवार जिसके पास ग्रामीण क्षेत्र में 2000 वर्ग फीट से अधिक स्वयं के रिहायश हेतु निर्मित पक्का मकान हों।

वर्तमान मे जिलें मे 529 कार्डधारकों ने छोडी पात्रता - जिलें मे गिव अप अभियान अंतर्गत सक्षम व्यक्तियों द्वारा जागरूकता के मध्यनजर 529 राशन कार्ड के लगभग 1911 उपभोक्ताओं द्वारा स्वेच्छा से पात्रता छोड चुके है। जिला रसद अधिकारी एवं समस्त प्रवर्तन स्टॉफ द्वारा सक्षम व्यक्तियों को जागरूक कर विभाग का सहयोग करने की अपील की है।

श्रमिकों को दो पुत्रियों के विवाह पर मिलेगी 75-75 हजार की सहायता

-महात्मा ज्योतिबा फुले मंडी श्रमिक कल्याण योजना में राशि की बढ़ोतरी

बारां, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप राज्य सरकार किसान, गरीब, महिला एवं युवाओं के कल्याण के प्रति कृतसंकल्प होकर कार्य कर रही है। महात्मा ज्योतिबा फुले मंडी श्रमिक कल्याण योजना के अंतर्गत विवाह सहायता राशि में वृद्धि की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री के इस संवेदनापूर्ण निर्णय से उक्त योजना में अब अनुज्ञाधारी श्रमिकों की दो पुत्रियों के विवाह पर 25 हजार की बढ़ोतरी करते हुए प्रति विवाह 75 हजार रुपए की सहायता राशि दी जाएगी । यह स्वीकृति बजट वर्ष 2025- 26 घोषणा के क्रम में दी गई है।

बच्चों, तुम कहानियां, कॉमिक्स या मैग्जीस तो पढ़ते ही होगे। अगर तुम्हें ऐसी किताबें पढ़ने के साथ-साथ साइंस में भी रुचि है तो विज्ञान कथाएं यानी साइंस फिक्शन भी पढ़ो, तुम्हें खूब मजा आएगा। विज्ञान कथाएं तुम्हें रहस्य-रोमांच की एक अलग ही दुनिया में ले जाएंगी। आज साइंस-डे के मौके पर जानो, साइंस फिक्शन से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

रहस्य-रोमांच से भरपूर साइंस फिक्शन

स्पेशल स्टोरी / शिखर चंद जैन

बच्चों, विज्ञान कथाएं यानी साइंस फिक्शन पढ़ने का अपना अलग ही रोमांच है। कहने को तो ये काल्पनिक कथाएं होती हैं, लेकिन इनमें सिर्फ ऐसी कल्पनाएं नहीं होतीं, जो बिल्कुल ही निराधार हों, इनका साकार होना संभव न हो। दुनिया में इंसान के लिए बहुत से ऐसे उपयोगी आविष्कार हुए हैं, जो विज्ञान कथाओं से प्रेरित हैं। सक्षम और अनुभवी विज्ञानकथा लेखकों ने तकनीक, फैंटेसी और भविष्य की कल्पना का ताना-बाना बुनकर ऐसी बहुत सी रोचक विज्ञान कथाएं लिखी हैं, जो पूरी दुनिया के बच्चों को ही नहीं, बड़ों को भी खूब पसंद आई हैं।

क्या हैं विज्ञान कथाएं

विज्ञान कथाएं अकसर भविष्य की कल्पना करके लिखी जाती हैं। जैसे आने वाले समय में मनुष्य कौन-सी नई तकनीक इस्तेमाल कर सकता है, यातायात, संचार, रहन-सहन और सुख-सुविधाओं के लिए कैसे उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है? ये कहानियां वास्तविक दुनिया से बहुत अलग होती हैं। लेकिन इन्हें असंभव या सिर्फ एक कल्पना कहकर हवा में नहीं उड़ाया जा सकता। इन विज्ञान कथाओं में ग्रहों के तरह-तरह के जीवों, अंतरिक्ष में मनुष्य के सुगमता पूर्वक रहने की कल्पना की जाती है। अलग-अलग विज्ञान कथा लेखकों ने चिकित्सा की नवीनतम प्रणालियों, यातायात के अद्भुत साधन, नई संचार प्रणालियों की कल्पना बहुत पहले की है, जो आज साकार हैं।

कहां से आया 'साइंस फिक्शन' टर्म

ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी के अनुसार सबसे पहले 'साइंस फिक्शन' या 'विज्ञान कथा' शब्द का प्रयोग 1851 में हुआ था। विलियम विल्सन ने इसे अपनी संकलित कविताओं की पुस्तक 'अ लिटिल अर्नेस्ट बुक अपॉन ए ग्रेट ओल्ड सब्जेक्ट' में इस्तेमाल किया था। आधुनिक समय में 'साइंस फिक्शन' शब्द को प्रचलित करने का श्रेय ह्यूगो जन्र्स बैक को जाता है। उन्होंने 1926 में विज्ञान कथाओं की पत्रिका 'अमेजिंग स्टोरीज' शुरू की थी। 1930-40 तक 'साइंस फिक्शन' शब्द बहुत लोकप्रिय हो चुका था।

तरह-तरह की विज्ञान कथाएं

विज्ञान कथाएं यानी साइंस फिक्शन कई तरह के होते हैं। मोटे तौर पर लोग इन्हें दो शैलियों में विभाजित करते हैं- हार्ड और सॉफ्ट विज्ञान कथाएं। हार्ड साइंस फिक्शन विज्ञान सम्मत सच्चे तथ्यों और सिद्धांतों पर आधारित होती हैं। इनमें फिजिकल साइंस, एस्ट्रोलॉजी और केमिस्ट्री का प्रयोग रहता है। इनमें बताया जाता है कि आने वाले दिनों में मनुष्य कई उन्नत तकनीकें विकसित कर लेगा। कई हार्ड साइंस फिक्शन लेखक तो पेशेवर वैज्ञानिक रहे हैं। उनकी कई कल्पनाओं ने बखूबी मूर्त रूप लिया और नए आविष्कारों का आधार बनीं। सॉफ्ट साइंस फिक्शन मनोविज्ञान, पॉलिटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, न्यूरो साइंस और सोशियोलॉजी से आइडिया लेती हैं। ये कहानियां ज्यादातर भावनाओं और कैरेक्टर्स पर आधारित होती हैं। सामाजिक और सॉफ्ट विज्ञान कथाएं काफी हद तक काल्पनिक होती हैं। अलौकिक विज्ञान कथाओं में अद्भुत क्षमता संपन्न मनुष्यों की कल्पना और सुपरमैन जैसे पात्रों की कल्पना की जाती है। स्पेस ओपेरा में अंतरिक्ष पर दूसरे ग्रहों की दुनिया पर आधारित कहानी होती हैं। वहीं टाइम ट्रैवल में ऐसा कथानक बुना जाता है, जो किसी पात्र को अचानक बहुत समय बाद के कालखंड में मौजूद दिखाता है।

कई आविष्कारों की प्रेरणा हैं विज्ञान कथाएं

विज्ञान कथाएं कई उपयोगी आविष्कारों की प्रेरणा बन चुकी हैं, ऐसा खुद आविष्कारकों और वैज्ञानिकों ने स्वीकार किया है। जूल्स बर्न का विज्ञान उपन्यास 'रॉबर द कंकरर', जिसका दूसरा नाम है 'क्लिपर ऑफ द क्लाउड्स' में उड़ान भरने वाली मशीन अल्बाट्रॉस का विवरण है। इससे प्रेरित होकर अमेरिकी विशेषज्ञ आई गौर सिकोर्सकी ने हेलीकॉप्टर डिजाइन किया। रॉकेट की प्रेरणा अमेरिकी वैज्ञानिक रॉबर्ट गोडर्ड को ब्रिटिश विज्ञान कथा लेखन एचजी वेल्स की पुस्तक 'द वॉर ऑफ वर्ल्ड' से मिली। ह्यूमनायड रोबोट की प्रेरणा जापान के रोबोट विज्ञानी टोमोटाका ताकहासी को 'एस्ट्रोबॉय' कॉमिक्स से मिली। WWW यानी वर्ल्ड वाइड वेब का आइडिया ऑथर सी क्लार्क की शॉर्ट स्टोरी 'डायल एफ फॉर फ्रैंकस्टीन' से मिला, ऐसा खुद इन वैज्ञानिकों ने स्वीकार किया है। *

पहली विज्ञान कथा

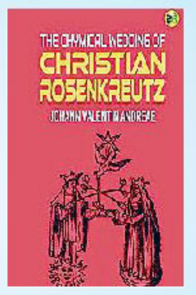

दुनिया की पहली विज्ञान कथा 1616 में जर्मन लेखक जोहान वेलेंटीन एंड्रिए लिखित उपन्यास 'द केमिकल वेडिंग' को माना जाता है। इस उपन्यास की कहानी एक ऐसे व्यक्ति की है, जिसे एक पंख वाली महिला की रहस्यमयी शाही शादी में आमंत्रित किया जाता है। भारत में विज्ञान कथाओं की विधिवत शुरुआत 1896 से मानी जाती है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस ने 1896 में बांग्ला भाषा में 'आगोश' और 'पलातक तूफान' के नाम से विज्ञान कथाएं लिखी थीं। कुछ लोग 1905 में रुकेया शेखावत हुसैन द्वारा लिखित 'सुल्तान का सपना' को पहली विज्ञान कथा मानते हैं, जो 'द इंडियन लेडीज' मैगजीन में छपी थी। हालांकि 1882 में विज्ञान दर्पण में हेमलाल दत्त की कहानी 'रहस्य', 1884 में पंडित अंबिका दत्त व्यास द्वारा लिखित 'आश्चर्य वृतांत', 1892 में जगदानंद राय द्वारा लिखित 'शुक्र भ्रमण' शुरुआती विज्ञान कथाएं मानी जाती हैं। विज्ञान कथा या साइंस फिक्शन शब्द का प्रयोग भले ही बाद में शुरू हुआ हो लेकिन विज्ञान कथाएं बहुत पहले से किसी ने किसी रूप में लिखी-पढ़ी जाती रही हैं।

स्पेस के नजारे दिखाते प्लेनेटोरियम

बच्चों, अगर तुम्हें खगोल विज्ञान मतलब कि सूर्य, चंद्रमा और तारों से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी चाहिए तो तारामंडल में जाकर ले सकते हो। ये तारामंडल अपने देश में कहां-कहां हैं? यहां जाकर तुम कैसे खगोल विज्ञान से जुड़ी जानकारी रोचक, सरल ढंग से पा सकते हो, जानो।

जानकारी

प्लेनेटोरियम को हम हिंदी में ताराघर या तारामंडल भी कहते हैं। वास्तव में यह एक ऐसा भवन होता है, जहां लोगों को खगोल विज्ञान से जुड़ी ज्ञानवर्धक जानकारियां मनोरंजक ढंग से दी जाती हैं।

ऐसा बना होता है तारामंडल: आमतौर पर तारामंडल में गुंबद के आकार की छत होती है, इसके इर्द-गिर्द दर्शकों के बैठने के लिए स्टेडियम के तरह का हॉल होता है। इस विशेष हॉल में एक प्रोजेक्टर गुंबददार छत पर उभर रही छवियों पर रोशनी डालकर उन्हें चमकाता है। इन छवियों से संबंधित जरूरी जानकारियां वहां बैठे लोगों को कमेंट्री करके दी जाती है।

कोई निश्चित आकार नहीं होता: तारामंडल का कोई निश्चित आकार नहीं होता, लेकिन जिसे दुनिया का प्लेनेटोरियम नबंर वन कहा जाता है, वह तारामंडल रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में स्थित है। इसके गुंबद का आकार 37 मीटर है।

भारत में कितने हैं तारामंडल: भारत में 30 तारामंडल हैं। इनमें चार सबसे मशहूर हैं, जो क्रमशः मुंबई, नई दिल्ली, बैंग्लुरु और प्रयागराज में स्थित हैं। जहां तक देश के पहले एमपी बिड़ला ताराघर की बात है, यह सितंबर 1962 में कोलकाता में शुरू हुआ था।

देते हैं खगोलीय पिंडों की जानकारी: बच्चों, जब इन तारामंडलों में लोग अंधेरे में बैठकर गुंबद की ओर देखते हैं, तो ऐसा आभास होता है, जैसे हम किसी खुले स्थान में बैठे हुए आकाश की छटा देख रहे हों। यहां विभिन्न ग्रह-उपग्रह और तारे चलते हुए प्रतीत होते हैं। खगोलीय पिंडों के विषय में जानकारी प्रदान करने वाले ये बड़े ही उपयोगी तारामंडल हैं। इनके जरिए सूर्य, चंद्रमा और तारों की आकाश में होने वाली वार्षिक गतिविधियों को बहुत अच्छी तरह से चंद मिनटों में देखा और समझा जा सकता है।

ऐसे हैं आधुनिक तारामंडल: आधुनिक तारामंडलों (प्लेनेटोरियम) में स्लाइड दिखलाने वाले प्रोजेक्टर लगे रहते हैं। इनके द्वारा अंतरिक्ष यात्राओं और दूसरे ग्रहों पर उतरने के दृश्य भी दिखलाए जाते हैं।

बढ़ता जा रहा है महत्व: तारामंडलों का महत्व अंतरिक्ष संबंधी ज्ञान बढ़ने के साथ ही बढ़ता जा रहा है। प्रदूषण, बादल, कुहरे आदि के कारण आकाश में किसी ग्रह या तारे का पता लगाना बहुत कठिन होता है, लेकिन इन्हें हम तारामंडल में सरलता से देख सकते हैं। उनकी स्थिति, विवरण और गति आदि की पूरी जानकारी भी हमें मिल जाती है। प्लेनेटोरियम की रचना बहुत ही जटिल होती है। इसमें बहुत से लेंस, प्रिज्म और दर्पण लगे होते हैं। अमेरिका के सैनफ्रांसिस्कों शहर में स्थित प्लेनेटोरियम में लगभग 25,000 छोटे-बड़े यंत्र हैं। इस प्रोजेक्टर का वजन लगभग 2.5 टन है। सबसे पहला प्लेनेटोरियम जीज ऑप्टिकल कंपनी, पूर्वी जर्मनी के वाल्टर ने 1923 में बनाया था। आज संसार के सभी देशों में बड़े-बड़े शहरों में प्लेनेटोरियम बने हुए हैं, जिनसे दर्शक अपने ज्ञान की वृद्धि करते हैं। *

प्रस्तुति : एफएमएन

तुम्हारे लिए नई किताब

समीर गांगुली

मशीनों का सत्याग्रह

बच्चों, पहले कुछ बड़े बच्चों यानी किशोर पाठकों के लिए हिंदी में स्तरीय विज्ञान कथाएं पढ़ने को कम मिलती थीं, लेकिन अब लिखी जा रही हैं। इन्हीं विज्ञान कथाओं में आया है नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित एक रोचक विज्ञान फैंटेसी उपन्यास 'मशीनों का सत्याग्रह'। इसके लेखक हैं सूर्यनाथ सिंह, जिन्हें इससे पहले 'कौतुक एप' नामक साइंस फिक्शन यानी विज्ञान कल्प कथा पर साहित्य अकादमी का बाल साहित्य पुरस्कार मिल चुका है। 'मशीनों का सत्याग्रह' में एआई यानी आर्टिफिशियल इंटलीजेंस युक्त रोबोट्स द्वारा संचालित और नियंत्रित भविष्य की अतिविकसित दुनिया की रोमांचक कहानी है। सोचो जरा, अगर ये इंटेलीजेंट रोबोट्स एक दिन सामूहिक रूप से विद्रोह पर उतर आए तो दुनिया का क्या हाल होगा? उपन्यास की शुरुआत बाइसवीं सदी के पहले दिन नए वर्ष के उत्सव और उल्लास के माहौल से होती है। उस दौर के भविष्य की कल्पना बहुत ही रोचक अंदाज में करने के साथ ही उस समय के पर्यावरण की स्थिति को भी इसमें दिखाया गया है। सबसे अधिक रोमांच तो तब होता है, जब उत्सव के उस माहौल में अचानक खबर आती है कि रोबोट्स सत्याग्रह करते हुए सड़कों पर उतर आए हैं। फिर क्या होता है, जानने के लिए तुम्हें यह उपन्यास पढ़ना होगा। बच्चों, लेखक ने इस बात का ध्यान रखा है कि तुम तकनीकी शब्दावली और टेक्नोलॉजी की जटिलता में न उलझ कर एक रोमांचक कहानी का मजा लो। बच्चों, इसे तुम नेशनल बुक ट्रस्ट के पोर्टल या ऑनलाइन या फिर नेशनल बुक ट्रस्ट के किसी स्टोर से खरीद सकते हो। *

विज्ञान कथा

जाकिर अली 'रजनीश'

करम के दिमाग में एक दिन आया कि क्यों न वह एक ऐसा रोबोट बनाए, जो उसका होमवर्क कर दिया करे। बाजार से सारे कल-पुर्जे मंगवा कर करम ने एक रोबोट बना भी लिया, लेकिन जब उसने रोबोट से होमवर्क के सवाल करने को कहा तो उसने कोई रेस्पॉन्स नहीं दिया। रोबोट ने करम का होमवर्क क्यों नहीं किया?

इससे तो अच्छा...

अखबार में रोबोट का विज्ञापन देखकर करम के दिमाग में एक विचार कौंधा, 'क्यों न एक ऐसा रोबोट बनाया जाए, जो मेरा होमवर्क कर दिया करे।'

यह सोचकर करम रोमांचित हो उठा। अपनी सोच को अमलीजामा पहनाने के लिए उसने कंप्यूटर की मदद ली। उसने इस विषय की किताबें खोज-खोज कर पढ़ीं। कई किताबों को पढ़ने के बाद करम को विश्वास हो गया कि वह भी रोबोट बना सकता है। मन में यह विश्वास आते ही वह अम्मी के पास पहुंचा। वह उस समय बेड पर बैठीं टीवी देख रही थीं। करम उनसे बहुत प्यार से बोला, 'अम्मीजान, मैं एक रोबोट बनाना चाहता हूं।'

'अरे वाह, यह तो बहुत अच्छी बात है!' अम्मी ने रोमांचित होकर पूछा, 'लेकिन बेटा, क्या तुम रोबोट बना पाओगे?'

'हां अम्मी, बस कुछ रुपयों की जरूरत पड़ेगी।' करम ने पूरे विश्वास के साथ जवाब दिया। 'ठीक है, लेकिन इससे तुम्हारी पढ़ाई नहीं डिस्टर्ब होनी चाहिए।' अम्मी ने आगाह किया।

'जी अम्मी, आप मुझ पर यकीन करें। मैं अपनी स्टडी बिल्कुल भी डिस्टर्ब नहीं होने दूंगा।' करम ने वादा किया। अम्मी को मालूम था कि करम धुन का पक्का है। वह जो ठान लेता है, करके ही मानता है। इसलिए उन्होंने उसे जरूरत के मुताबिक रुपए दे दिए। करम ने अम्मी का शुक्रिया अदा किया और अपने काम में लग गया।

सबसे पहले करम ने गूगल से रोबोट के कल-पुर्जे बनाने वाली दुकान का पता खोजा, फिर अपनी जरूरत का सामान ऑर्डर कर दिया। रोबोट के कल-पुर्जे वाली दुकान करम के शहर में थी। शाम तक करम का सारा सामान घर पर आ गया। करम ने अपने स्टडी रूम को प्रयोगशाला में बदल दिया और रोबोट बनाने में जुट गया। इस काम में उसे काफी मेहनत करनी पड़ी। जहां कहीं पर वह अटकता, गूगल की मदद ले लेता। इस तरह उसकी समस्या हल हो जाती। वह फिर से अपने काम में जुट जाता।

अंततः करम की मेहनत रंग लाई। उसका रोबोट तैयार हो गया। अपनी इस सफलता पर करम फूला नहीं समाया। उसने रोबोट का नाम रखा-रेंचो।

करम का रोबोट देखकर अम्मी-अब्बा गदगद हो उठे। उन्होंने दिल खोल कर करम की तारीफ की। करम ने अपने दोस्तों को घर बुला कर अपना रोबोट दिखाया। उसके सारे दोस्त भौंचक्के रह गए। सुमित बोला, 'क्या यह सचमुच में होमवर्क के सवाल हल कर पाएगा?'

'क्यों नहीं!' करम मुस्कुराया। उसने रोबोट को आदेश दिया, 'रेंचो, मुझे होमवर्क में जो सवाल हल करने को मिले हैं, उन्हें करके दो।'

रोबोट शांत खड़ा रहा। जैसे उसने करम की बात सुनी ही न हो। यह देखकर करम के दोस्त मुस्कुराने लगे। करम ने रोबोट को दुबारा आदेश दिया, 'रेंचो, तुमने सुना नहीं? मेरा होमवर्क करो।'

लेकिन रोबोट इस बार भी कुछ नहीं बोला। उसके पेट पर लगी स्क्रीन पर कोई संदेश उभर रहा था, लेकिन करम ने उस पर ध्यान नहीं दिया। उसने गुस्से में रोबोट के गाल पर एक झापड़ रसीद कर दिया।

रोबोट लोहे का बना हुआ था। इसलिए करम का हाथ झन्ना गया। वह हाथ पकड़कर बैठ गया और रोबोट को बुरा-भला कहने लगा। तभी करम के अब्बा वहां आ गए। वह बोले, 'यह क्या कर रहे हो बेटा? तुम अपना गुस्सा रोबोट पर क्यों उतार रहे हो?'

'अब्बा, यह मेरा कहना नहीं मानता।' करम गुस्से में बोला।

अब्बा बोले, 'इसमें इसकी क्या गलती?'

'गलती क्यों नहीं है अब्बा?' करम ने सवाल किया,'मैंने आखिर इसे होमवर्क करने के लिए ही तो बनाया है?'

'हां, पर तुमने सिर्फ एक लोहे का ढांचा बनाया है। अगर तुम चाहते हो कि यह सवाल भी हल करे, तो तुम्हें इसके मस्तिष्क में प्रोग्राम करके गणित के सूत्र भी डालने होंगे और यह एक मुश्किल काम है।' अब्बा ने करम को समझाया।

'यह तो मुश्किल काम है।' करम ने बुझे मन से पूछा, 'इसमें कितना समय लगेगा?'

'इसमें दो-तीन साल भी लग सकते हैं। इसके लिए तुम्हें प्रोग्रामिंग सीखनी होगी, सवालों के सूत्रों को कोड में बदलना होगा, फिर उन्हें रोबोट के मस्तिष्क में...।' अब्बा ने बताया।

करम अब्बा की बात बीच में ही काटते हुए बोला, 'इससे तो अच्छा है कि मैं अपने सवाल खुद ही हल कर लूं।'

तभी करम की आंख खुल गई। यह क्या? क्या वह सपना देख रहा था? हां, वह तो मेज पर सिर रख कर सो गया था। शायद अम्मी के पैरों की आहट सुनकर उसकी नींद टूटी थी।

उसी समय अम्मी वहां आ गईं, बोलीं, 'क्या सोच रहे हो बेटा?'

'ज... जी कुछ नहीं।' करम चौंकते हुए बोला और फिर सवाल सॉल्व करने में व्यस्त हो गया। *

कविता

अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन'

मानव शरीर

भैया यह मानव शरीर है
चलती-फिरती मशीन।
भांति-भांति के लगे हैं पुर्जे
काम हैं जिनके बड़े महीन।
जैसे भवन बना करते
ढेरों ईंटों के मेल से।
वैसे बना शरीर हमारा
छोटे-छोटे सेल से।
पेट हमारी भट्ठी जिसमें
खाद्य पदार्थ जला करते।
अम्ल, क्षार और रस में घुलकर
हर कोशिका को मिला करते।
जैसे कि पंपिंग मशीन
हर घर में जल पहुंचाता है।
वैसे ही सारे अंगों में
हृदय रक्त दौड़ाता है।
शोधक यंत्र हमारे गुर्दे
नियमित काम किया करते।
अच्छी चीजें रख लेते और
गंदा फेंक दिया करते।
खोजी यंत्र हमारी आंखें
देतीं दिमाग को हर संदेश।
कंप्यूटर दिमाग निर्णय लेता
देता है अंगों को आदेश।

जीके क्विज-143

1. किस वैज्ञानिक खोज की स्मृति में प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है?
2. किस भारतीय वैज्ञानिक ने सर्वप्रथम पता लगाया कि पेड़-पौधों में भी जीवन होता है?
3. भारत में परमाणु कार्यक्रम की शुरुआत का श्रेय किस वैज्ञानिक को जाता है?
4. किस भारतीय वैज्ञानिक को 'मिसाइल मैन' के नाम से जाना जाता है?
5. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का मुख्यालय कहां स्थित है?
6. खगोलीय वेधशाला 'जंतर मंतर' का निर्माण किस शासक ने करवाया था?
7. भारत के 26वें मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में किसे नियुक्त किया गया है?
8. हाल ही में यूके में मानद नाइटहुड की उपाधि से किसे सम्मानित किया गया है?
9. किस भारतीय स्वाधीनता सेनानी को 'देशबंधु' के नाम से जाना जाता है?
10. 'वेदों की ओर लौटो' का नारा किसने दिया था?

जीके क्विज-142 का उत्तर : 1.विराट कोहली, 2.पंकज आडवाणी, 3.रेखा गुप्ता, 4.रोलेट एक्ट (1919), 5. 22 दिसंबर, 6.आर.के. नारायण, 7.विटामिन डी, 8.हाइड्रोजन, 9.नाइक्रोम, 10.आर्यभट्ट

जीके क्विज-142 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, रमेश-रायगढ़, रोहित-बिलासपुर, अंजना-बालोद, साकेत-दुर्ग, ज्योति-बलौदा बाजार, अंकित-रोहतक, अनिता-महासमुंद, दिव्या-महेंद्रगढ़, कशिश-भोपाल, अमन-रायपुर

अंतर बताओ

बच्चों, यहां लैब में एक्सपेरिमेंट कर रहे साइंटिस्ट के एक समान दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। इन चित्रों में 7 अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सारे अंतर बताओ।

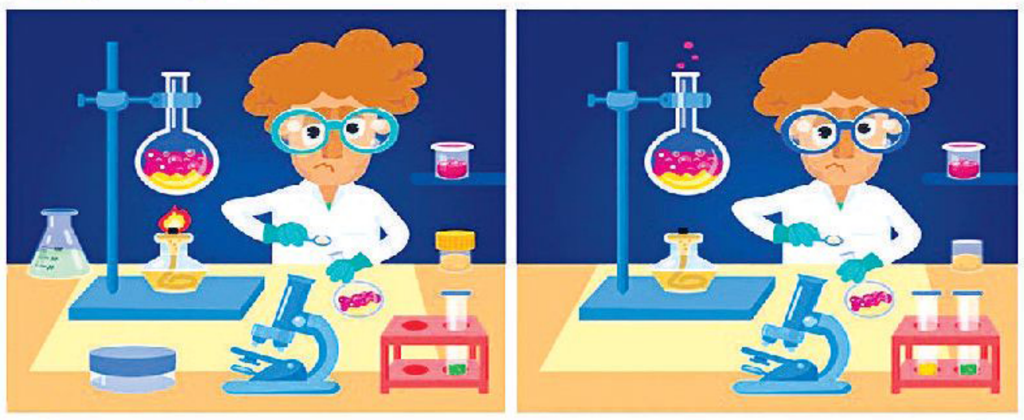

ढूंढो तो जरा...

बच्चों, दिए गए चित्र में नीचे सोलर सिस्टम और स्पेस रिसर्च से रिलेटेड जुड़े कुछ टर्म्स दिए गए हैं। तुम ऊपर बॉक्सेज में से उन टर्म्स को ढूंढकर बताओ।

O	Y	J	U	A	X	I	K	H	N	S
I	S	H	U	T	T	L	E	C	A	P
W	R	N	G	R	X	B	A	Q	S	A
G	R	A	V	I	T	Y	S	H	A	C
A	T	M	O	S	P	H	E	R	E	E
Y	P	L	A	N	E	T	F	V	D	M
T	C	E	X	P	L	O	R	E	S	E
T	L	A	U	N	C	H	X	N	O	T
J	P	Y	M	C	A	P	S	U	L	E
N	C	Q	X	R	D	P	O	S	A	O
H	F	N	Y	Y	L	G	J	H	R	R

LAUNCH
VENUS
SHUTTLE
PLANET
CAPSULE
ATMOSPHERE
EXPLORE
NASA
GRAVITY
METEOR
SOLAR
SPACE

बढ़ते वजन के साथ बढ़ती हैं अनेक बीमारियों की आशंका

पूरी दुनिया में ओवरवेट होना यानी मोटापा, एक बड़ी हेल्थ प्रॉब्लम बन कर उभर रहा है। मोटापे की समस्या किसी भी व्यक्ति को रातों-रात यानी अचानक उत्पन्न नहीं होती है। लंबे समय तक गलत जीवनशैली और अस्वास्थ्यकर खान-पान, मोटापे की समस्या उत्पन्न करते हैं। यह स्थिति कई अन्य बीमारियों की वजह बनती है। इस बारे में जानना सभी के लिए जरूरी है

आमतौर पर मोटापा वह शारीरिक स्थिति है, जिसमें व्यक्ति के शरीर में वसा की मात्रा बढ़ जाती है। जब किसी व्यक्ति की लंबाई के अनुपात में उसका वजन एक निश्चित मानक सीमा से अधिक हो जाता है तो उसे मोटापे की स्थिति कहा जाता है।

क्या है मॉर्बिड ओबेसिटी

मॉर्बिड ओबेसिटी या रुग्ण रोगिष्ठ मोटापा एक ऐसी स्थिति है, जहां किसी व्यक्ति के शरीर में अत्यधिक मात्रा में वसा संचित होती है, जो उसके स्वास्थ्य पर अत्यंत प्रतिकूल प्रभाव डालती है। ऐसा मोटापा गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। इसे आमतौर पर 40 या उससे अधिक के बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) द्वारा परिभाषित किया जाता है।

मोटापा और बीएमआई

मोटापे के आकलन की सबसे प्रमुख विधि बॉडी मास इंडेक्स संक्षेप में बीएमआई है। कमर की माप से भी मोटापे का अंदाजा लगाया जा सकता है, लेकिन मान्य और प्रचलित विधि बीएमआई ही है। बीएमआई की गणना के लिए पहले किसी व्यक्ति के वजन को किलोग्राम में मापा जाता है और फिर उसे उसकी लंबाई के मीटर वर्ग से विभाजित किया जाता है।

मॉर्बिड ओबेसिटी के लक्षण

- थोड़ा शारीरिक श्रम करने पर सांस फूलने लगती है। बैठने और चलने-फिरने में दिक्कत महसूस करना।
- जोड़ों और कमर में दर्द की समस्या के मामले ऐसे लोगों में ज्यादा होते हैं।
- जरा सा भी शारीरिक श्रम करने पर थकान महसूस करना।
- सोते समय खर्राटे लेना और रात में अचानक घबराहट होने पर उठ जाना (स्लीप एपीनिया)।

ओबेसिटी के कारण

व्यायाम न करना: जो लोग नियमित रूप से व्यायाम नहीं करते या कम शारीरिक श्रम करते हैं, उनके मोटे होने की संभावना बढ़ जाती है। मोटापे के अधिकांश मामलों में एक व्यक्ति जितनी कैलोरी बर्न करता है, उससे बहुत अधिक कैलोरी ग्रहण करता है। शरीर द्वारा इस्तेमाल न की जाने वाली कैलोरी वसा के रूप में संचित हो जाती है।

जंक फूड्स: लगभग हर दिन अत्यधिक चिकनाई युक्त आहार ग्रहण करना या फिर अकसर जंक फूड्स लेना मोटापे से ग्रस्त कर देता है। इसके अतिरिक्त जो लोग अपने खान-पान में फलों और सब्जियों को वरीयता नहीं देते हैं, वे भी मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं।

मानसिक तनाव: कालांतर में यह नकारात्मक मानसिक अवस्था भी मोटापे का कारण बन सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि तनाव से शरीर में हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं। हार्मोंस के असंतुलन की स्थिति से मोटापा बढ़ सकता है।

वंशानुगत कारण: इनसे भी मोटापा बढ़ सकता है। जैसे अगर मां-बाप अपने जीवन काल में मोटापे की समस्या से ग्रस्त हैं तो उनकी संतानों में भी मोटापा बढ़ना संभव है।

थायरॉइड ग्रंथि के विकार: इस ग्रंथि के असंतुलन या विकार से भी मोटापा बढ़ने की संभावना रहती है।

मोटापे से होने वाली समस्याएं

जो लोग अत्यधिक मोटापे से ग्रस्त हैं, उनमें इन स्वास्थ्य समस्याओं के होने की आशंकाएं बढ़ जाती हैं। जैसे- उच्च रक्त चाप, हृदय की बीमारियां, डायबिटीज टाइप 2, स्ट्रोक, अर्थराइटिस, सोते समय खर्राटे भरना या स्लीप एपीनिया, मोटापे से ग्रस्त लोगों में आंतों और स्तन कैंसर होने के मामले कहीं ज्यादा हो सकते हैं। गर्भवती महिलाओं में अत्यधिक वजन के बढ़ने से उनके गर्भस्थ शिशु को भी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसके अलावा जो लोग पहले से ही उपरोक्त बीमारियों से ग्रस्त हैं, उन्हें अपने वजन नियंत्रण पर डॉक्टर से परामर्श लेकर विशेष ध्यान देना चाहिए, तभी वे उपरोक्त समस्याओं को नियंत्रित कर सकते हैं।

मनोवैज्ञानिक समस्याएं: जो नवयुवक या नवयुवतियां अत्यधिक मोटापे से ग्रस्त हैं, उनके अंदर कुछ मनोवैज्ञानिक समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। जैसे वे शारीरिक रूप से हीनता ग्रंथि के शिकार हो सकते हैं। उन्हें लोगों से मिलने-जुलने में अच्छा महसूस नहीं होता।

इनफर्टिलिटी: मोटापा और बांझपन (इनफर्टिलिटी) के बीच एक गहरा संबंध है। अधिक वजन और मोटापा महिलाओं और पुरुषों दोनों में प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं।

ऐसे करें वेट कंट्रोल

पहली बात तो यह समझ लें कि मोटापे को किसी भी दवा या किसी मेडिकल चमत्कार से चंद घंटों या दिनों में दूर नहीं किया जा सकता। मोटापे को नियंत्रित करने के संदर्भ में किसी भी व्यक्ति की उम्र, शारीरिक स्थिति और उसकी मेडिकल कंडीशन के बारे में जानना आवश्यक है।

कब लें डॉक्टर से परामर्श: जिन लोगों का वजन बीएमआई के मानकों से परे जाकर बढ़ता जा रहा है या जो लोग पहले से ही मोटापे से ग्रस्त हैं, उन्हें अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। डॉक्टर आपको अपनी जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन करने और स्वास्थ्यकर खान-पान के संदर्भ में समुचित जानकारी देंगे। इस संदर्भ में डॉक्टर आप से कुछ सवाल भी पूछ सकते हैं। जैसे आप डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर अन्य किसी रोग से पीड़ित तो नहीं हैं, फिलहाल आप क्या दवाएं ले रहे हैं, शराब या धूम्रपान के तलबगार तो नहीं हैं। आप व्यायाम या शारीरिक गतिविधियों में भाग लेते हैं या नहीं। इसके अलावा डॉक्टर आपकी बीएमआई भी चेक कर सकते हैं और अगर आपको कोई बीमारी है तो उससे संबंधित जांच भी करवा सकते हैं। डॉक्टर आपको डायटिशियन के पास भी रेफर कर सकते हैं और इस संदर्भ में व्यायाम या योगासन के लिए किसी विशेषज्ञ को भी रेफर कर सकते हैं। अत्यधिक मोटापाग्रस्त होने की स्थिति में वे आपको बैरियाट्रिक सर्जन से परामर्श लेने की भी राय भी दे सकते हैं।

तब करवाएं बैरियाट्रिक सर्जरी

बैरियाट्रिक सर्जरी एक प्रकार की सर्जरी है, जिसका उद्देश्य अत्यधिक मोटापे का इलाज करना है। यह सर्जरी विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए होती है, जिनका बीएमआई 40 या उससे अधिक होता है, या जिनका बीएमआई 35-39.9 होता है और उन्हें मोटापे से संबंधित गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं, जैसे कि डायबिटीज, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप आदि। इसके अलावा यदि किसी व्यक्ति ने आहार और व्यायाम के माध्यम से वजन घटाने की कोशिश की है, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली, तो बैरियाट्रिक सर्जरी का विकल्प दिया जा सकता है।

ऐसे निर्धारित करते हैं मोटापा

यदि किसी व्यक्ति का बीएमआई 18.5 या उससे नीचे है, तो इसका आशय है कि उसका वजन सामान्य से कम है, वह

अंडरवेट है। ऐसा व्यक्ति कुपोषण का शिकार हो सकता है। किसी व्यक्ति का बीएमआई 18.5 से 24.9 के मध्य है तो उसका वजन सामान्य है, जिसे नॉर्मल वेट कहते हैं। अगर किसी व्यक्ति का बीएमआई 25 से 28 के मध्य है, तो उसका वजन अधिक है, उसे ओवरवेट कहा जाता है। बीएमआई 28 से 30 के मध्य है तो उसे ग्रेड-1 मोटापे की श्रेणी में रखा जाता है। अगर बीएमआई 31 से 40 के मध्य है तो उसे ग्रेड-2 मोटापा माना जाता है। अगर बीएमआई 40 से अधिक है तो उसे अत्यधिक गंभीर मोटापा (रुग्ण रोगिष्ठ मोटापा) माना जाता है।

आमतौर पर पुरुषों में 94 सेमी. या फिर इससे अधिक और महिलाओं में 80 सेमी. या इससे अधिक कमर की माप को स्वास्थ्य के प्रतिकूल माना जाता है।

वेट कंट्रोल का डाइट प्लान

मोटापे को नियंत्रित करने में खान-पान का व्यायाम की तुलना में कहीं ज्यादा महत्व है। मोटापे को कम करने में 90% स्वास्थ्यकर खान-पान और 10% वर्कआउट व्यायाम की स्थिति आदर्श मानी जाती है। वजन को नियंत्रित करने के लिए कई डाइट प्लान हैं, जिन पर अपने डॉक्टर या डाइटिशियन से परामर्श लेकर ही अमल करना चाहिए। जैसे पैलियो डाइट प्लान। इसके अंतर्गत आहार में टमाटर, प्याज, लहसुन और गाजर को शामिल किया जाता है। इसके अलावा फलों, नट्स, मछली, फलियां, अनाज और डेयरी उत्पादों को भी शामिल किया जाता है।

डाइटिंग के नाम पर अपनी भूख मारना या कम से कम खाना अपने शरीर के साथ अत्याचार करने जैसा है। अनेक ऐसे लोग हैं जिनके दिमाग में यह गलत धारणा बैठ चुकी है कि मोटापे को कम करने के लिए डाइटिंग एक सशक्त माध्यम है, जबकि सच्चाई इसके विपरीत है। याद रखें, डाइटिंग से मोटापा कम नहीं होता।

मोटापा और दवाएं

इस संदर्भ में महत्वपूर्ण बात यह है कि मोटापा कम करने वाली दवाओं का सेवन अपने डॉक्टर या डाइटिशियन से परामर्श लिए बगैर नहीं करना चाहिए। मॉर्बिड ओबेसिटी को नियंत्रण करने में दवाओं का एक सीमित योगदान है।

वजन घटाने की दवाएं विशेष रूप से उन लोगों के लिए होती हैं, जो आहार और व्यायाम के साथ भी वजन कम करने में सफल नहीं हो पाते। ये दवाइयां डॉक्टर की निगरानी में ली जाती हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि ऐसी दवाओं के साइड और आफ्टर इफेक्ट भी होते हैं। इन दवाओं का उद्देश्य शरीर में वसा को जलाना या बर्न करना, भूख को कम करना और शरीर के ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाना होता है। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

इन बातों पर दें ध्यान

वजन नियंत्रण के लिए आपको अपनी जीवनशैली में लगातार सकारात्मक परिवर्तन करने होंगे। जैसे अपनी उम्र और शारीरिक क्षमता के अनुसार नियमित रूप से व्यायाम करना, खान-पान में मौसमी फलों और हरी सब्जियों को वरीयता देना आदि। इसके अलावा इन सुझावों पर भी अमल करना लाभप्रद रहेगा।

- डॉक्टर या डायटिशियन से परामर्श लेकर अपनी शारीरिक स्थिति और मेडिकल कंडीशन के अनुसार खान-पान का एक चार्ट बनवा लें और फिर उस पर अमल करें।

- नियमित रूप से व्यायाम करें, लेकिन इस संदर्भ में याद रखें कि प्रत्येक व्यक्ति की उम्र और उसकी मेडिकल कंडीशन के अनुसार ही व्यायाम और उसका समय निर्धारित किया जाता है। इसलिए इस संदर्भ में फिटनेस एक्सपर्ट से परामर्श लें।
- जीवन के प्रति सकारात्मक सोच रखें और तनाव को स्वयं पर हावी न होने दें। ऐसा इसलिए क्योंकि तनाव से भी मोटापा या वजन बढ़ सकता है। तनाव से शरीर में हार्मोन संबंधी असंतुलन उत्पन्न होता है, जिसके कारण कालांतर में मोटापा बढ़ सकता है। तनाव को नियंत्रित करने के लिए मेडिटेशन करें।
- अत्यधिक चिकनाईयुक्त खाद्य पदार्थों से परहेज करें।
- खाद्य पदार्थों में ऊपर से नमक न छिड़कें। नमक का कम से कम सेवन करना लाभप्रद है।
- खाना खाते समय टीवी न देखें।

घरेलू औषधि

बहुत लाभकारी है जैतून नमक

आमतौर पर लोग साधारण नमक, काला नमक और सेंधा नमक के बारे में तो जानते हैं। लेकिन एक अन्य लाभकारी नमक जैतून नमक के बारे में कम ही लोग जानते हैं। यह एक विशेष नमक है, जो कई रोगों के उपचार में कारगर है।

क्या होता है जैतून नमक: इस नमक को बनाने के लिए साधारण नमक को जैतून के साथ मिलाकर एक निश्चित विधि से तैयार किया जाता है। इसके लिए पूरे पके हुए जैतून को मोटे नमक (डली वाला साधारण नमक) के साथ मिलाकर ढंक कर लगभग दो महीने के लिए रख दिया जाता है। निर्धारित समय के बाद उस नमक में विशेष गुणों का समावेश प्राकृतिक रूप से होता है। जिससे एक औषधि बन जाती है, जो कई स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों में लाभकारी होता है। इसमें मिलने वाले प्रमुख तत्व हैं- विटामिन ई, लोहा, तांबा और कैल्शियम आदि। जैतून नमक की तासीर ठंडी होने के कारण सर्दियों में इसका सेवन कम करना चाहिए।

इन रोगों में कारगर: जैतून नमक को कई रोगों के उपचार में उपयोग किया जा सकता है।

- इसका प्रयोग शरीर के बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है।
- पेट संबंधी अजीर्ण, गैस, अपच, भूख न लगना या कम लगना आदि समस्याओं में यह हितकर है।
- डायबिटीज (रक्तशर्करा) और उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) के उपचार में जैतून नमक का सेवन उपयोगी है।
- यह शारीरिक क्षमता में बढ़ोत्तरी करता है।
- हृदय को स्वस्थ रखने के लिए यह लाभकारी है।
- कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है।
- बढ़ते वजन से परेशान लोगों का वजन कम करने में मददगार है।
- यकृत (लिवर) को स्वस्थ बनाने में सहायक है।
- किडनी की समस्या में इसका सेवन लाभकारी है।
- बढ़ती आयु में हड्डियों को स्वस्थ रखने में इसका सेवन मददगार है।

कुछ लोगों को जैतून से एलर्जी होती है, उन्हें इसका सेवन नहीं करना चाहिए। इसकी कितनी मात्रा कैसे लेनी है, इसका निर्धारण स्वयं न करें, विशेषज्ञ से सलाह के आधार पर करें।

यहां बताए गए उक्त सभी उपाय-उपचार सामान्य हैं। प्रयोग करने से पहले अपने वैद्यजी या आयुर्वेद विशेषज्ञ से सलाह अवश्य करें। *

-वैद्य हरिकृष्ण पांडे 'हरीश'

मेडिकल रिसर्च

माहिया

कुछ समय पहले खबरें आईं कि रूस के वैज्ञानिकों ने कैंसर ट्रीटमेंट के लिए वैक्सीन बनाने में सफलता हासिल कर ली है। क्या है यह वैक्सीन, कैसे करेगी यह वर्क और इससे कितना प्रभावी होगा ट्रीटमेंट, आप जरूर जानना चाहेंगे।

बना ली गई कैंसर वैक्सीन कितना प्रभावी होगा इलाज

हाल में रूस ने घोषणा की है कि उनके वैज्ञानिकों ने कैंसर की रोकथाम के लिए एक नई एमआरएनए-आधारित वैक्सीन विकसित की है, जो जल्द ही रोगियों को मुफ्त उपलब्ध कराई जाएगी। गमालेया नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एपिडेमोलोजी एंड माइक्रोबायोलॉजी के निदेशक एलेक्जेंडर गिंट्सबर्ग का कहना है कि इस वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल्स से मालूम हुआ है कि यह रसौली को बढ़ने से रोकती है और उसके आशंकित रूप-परिवर्तन को भी। एमआरएनए या मैसेंजर आरएनए वैक्सीन, वह जेनेटिक सूचना उपलब्ध कराती है, जो शरीर की कोशिकाओं को एंटीजन (प्रोटीन या अन्य पदार्थ जो इम्यून या प्रतिरोधात्मक प्रतिक्रिया आरंभ करते हैं) के विरुद्ध इम्यून सिस्टम को एंटीबॉडीज उत्पादन के लिए प्रेरित करता है। जब ये एंटीजन, कैंसर कोशिकाओं पर पहचान लिए जाते हैं तो इम्यून सिस्टम उनके खिलाफ हमला शुरू कर देता है।

ऐसे करेगी एक्शन: एमआरएनए कैंसर वैक्सीन, इम्युनोथेरेपी का एक रूप है। कैंसर कोशिकाएं अकसर ऐसा तरीका विकसित कर लेती हैं कि वो एंटीबॉडीज द्वारा पहचान में आने से बच जाएं। फलस्वरूप इम्यून सिस्टम (शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता) उन्हें नष्ट नहीं कर पाता। इस बचाव के तरीके को अब समझ लिया गया है। अब प्लानिंग यह है वैक्सीन के जरिए शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता को इस प्रकार मजबूत कर दिया जाए कि वह कैंसर कोशिकाओं को तलाश करके उन्हें नष्ट कर दे और उनको फैलने से रोके। इस उपचार का लाभ यह है कि कीमोथेरपी के विपरीत इसमें अन्य कोशिकाओं के बजाय केवल कैंसर कोशिकाओं को ही नष्ट किया जाता है, नतीजतन ट्रीटमेंट के साइड-इफेक्ट्स कम हो जाते हैं। वैक्सीन के अतिरिक्त भी इम्युनोथेरेपी के अन्य अनेक तरीके हैं। जैसे कार टी सेल थेरेपी, इम्यून चेकपॉइंट इन्हिबिटर्स आदि।

अन्य वैक्सीन से है अलग: अन्य वैक्सीनों की तरह एमआरएनए कैंसर वैक्सीन, रोग को रोकने के लिए स्वस्थ व्यक्तियों के लिए नहीं है कि टीकाकरण करा लिया और रोग होगा ही नहीं। इन्हें उन रोगियों पर इस्तेमाल किया जाता है, जिन्हें पहले से ही कैंसर है ताकि रसौली को निशाना बनाकर उसका उपचार किया जा सके। यह उपचार विधि इस तरह से तैयार की गई है कि हर रोगी की रसौली में जो विशिष्ट एंटीजन होते हैं, उन्हें निशाना बनाया जाए, जिससे यह वैक्सीन व्यक्तिगत हो जाती है और अधिक प्रभावी भी। कैंसर एमआरएनए वैक्सीन को इस तरह से भी डिजाइन किया जा सकता है कि अनेक प्रकार के एंटीजन को निशाना बनाया जा सके।

कैंसर का करेगा ट्रीटमेंट: कई डॉक्टरों का कहना है कि कैंसर की रोकथाम के लिए 'वैक्सीन' शब्द का प्रयोग करना भ्रामक है, क्योंकि संक्रमित रोगों की तरह कैंसर आमतौर से किसी एक कीटाणु से नहीं फैलता है। जहां तक कैंसर के रोकथाम की बात है तो ह्यूमन पपील्लोमावायरस (एचपीवी) वैक्सीन से सर्वाइकल कैंसर को होने से रोका जा सकता है, क्योंकि इस सिलसिले में 90 प्रतिशत से अधिक केस इस वायरस के कारण होते हैं। लेकिन डॉक्टर्स इस बात पर बल देते हैं, 'रोगियों को यह समझना चाहिए कि इम्मुनोथेरेपी उपचार से कैंसर को होने से नहीं रोका जा सकता। यह रोग होने के बाद का इलाज है।' *

डॉक्टर सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब नींद के लिए लेनी पड़े दवा

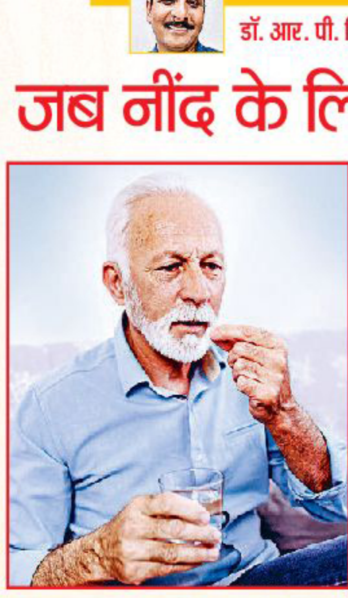

मेरी उम्र 66 वर्ष है। मुझे अकसर रात को नींद नहीं आती। पिछले कुछ समय से मैं नींद की गोलियां ले रहा हूं। इससे रात को नींद तो अच्छी आती है, लेकिन पूरे दिन सुस्ती बनी रहती है। समझ नहीं आता, क्या करूं? कृपया उचित मार्गदर्शन करें।

-वीरपाल, महेंद्रगढ़

नींद की दवा खाकर सोना, यह अच्छी बात नहीं है। सबसे पहले आप कोशिश करें कि नींद की दवा लेना बंद करें और इसके बगैर कैसे नींद आए, इसका रास्ता खोजें। इसके लिए सबसे जरूरी है कि नींद न आने की वजह ढूंढ़ने की, यानी किस वजह से नींद नहीं आती है? यह समस्या आपको कब से है यानी इस बीच में ऐसा क्या हुआ है, जो बात बार-बार आपके मन में आती है, जिससे नींद नहीं आ रही हो। अगर आप स्वयं से ऐसा न कर पाएं तो जरूर आपको एक बार मनोरोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए, लेकिन नींद की दवा आपको लेना बिल्कुल बंद कर देना चाहिए।

मेरी उम्र 38 वर्ष है। जब भी मैं कुछ दूर पैदल चलता हूं, मेरे पैरों में सूजन आ जाती है। रेस्ट करने पर यह सूजन अपने-आप ही ठीक हो जाती है। ऐसा क्यों होता है? मुझे क्या करना चाहिए?

-अभिनव, दुर्ग

पैरों में सूजन दो कारणों से होती है, पहले मसल्स का वीक होना और दूसरा डायबिटीज। आप पहले जनरल फिजिशियन से संपर्क करें, वो आपकी शुगर और कुछ अन्य जांच कराएंगे, जिससे पता चलेगा कि आपको किस वजह से सूजन आ रही है? इसके बाद उसका उपचार होगा। फिलहाल, बगैर डॉक्टर से कंसल्ट किए कोई भी दवा आप ना खाएं। ज्यादा दिक्कत होने पर आप सिंकाई कर सकते हैं।

मेरी उम्र 28 वर्ष है। मेरे फेस पर बहुत अधिक झाइयां हो रही हैं। कई तरह की क्रीम और दवाइयां लेने के बाद भी यह ठीक नहीं हो रही। मेरी इस प्रॉब्लम का कोई इफेक्टिव सॉल्यूशन बताएं।

-सुकेश, रायपुर

अभी आप की उम्र अधिक नहीं है इसलिए आपको दवा खाने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। दवा के अधिक सेवन से आपको अभी भले ही आराम मिल जाए, लेकिन आगे और परेशानी बढ़ सकती है। सबसे पहले आप अपनी तरफ से इस्तेमाल की जाने वाली दवाइयां बंद करें और एक बार त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें। वो इसका कारण बताएंगे और उसका ट्रीटमेंट भी। लेकिन आप अभी पानी अधिक से अधिक पिएं। शरीर में पानी की कमी न होने दें। कई बार यह भी त्वचा रोग का कारण बन जाता है।

मेरी उम्र 46 वर्ष है। तीन हफ्ते पहले बाथरूम में पैर स्लिप करने की वजह से मेरी कमर में चोट आई थी। अभी भी कमर में चोट वाली जगह पर रह-रहकर दर्द होता रहता है। ऐसे में क्या करूं, जिससे मुझे कमर दर्द से राहत मिले?

-अर्णव, बिलासपुर

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपको स्पाइन में चोट लगी है, जिसमें किसी तरह की फ्रेक्चर नहीं हुआ होगा। इस तरह की चोट में थोड़ा लंबे समय तक दर्द रहता है। कोशिश करें कि आप झुकने वाले काम बिल्कुल न करें, वजन न उठाएं। सोने के लिए हार्ड बेड का इस्तेमाल करें। अगर अधिक दर्द हो रहा है तो जरूर आपको एक बार हड्डी रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए, क्योंकि दर्द हो रहा है इसलिए किसी तरह की एक्सरसाइज भी न करें।

मेरी उम्र 61 वर्ष है। अकसर खड़े होने पर मेरे पैरों में थरथराहट शुरू हो जाती है, जिसकी वजह से चलते वक्त लड़खड़ाने लगता हूं। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-कौशल किशोर, भोपाल

इस बात पर ध्यान दें कि आपका वजन अधिक तो नहीं है? कई बार वजन अधिक होने पर इस तरह की समस्याएं बढ़ती उम्र में देखी जाती हैं। लेकिन एक बार आप मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ संपर्क से कर लें, क्योंकि इस तरह की समस्याएं न्यूरो से जुड़ी भी हो सकती हैं। ऐसे में बगैर जांच किए कुछ भी कहना मुश्किल है। लेकिन आप जैसा बता रहे हैं, तो ज्यादा चलने की कोशिश न करें। गिर सकते हैं और चोट लग सकती है। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

चैंपियंस ट्रॉफी : पाकिस्तान का सफर 9 दिन में खत्म, बिना कोई मैच जीते बाहर हुआ गत चैंपियन

एजेंसी ▶▶| रावलपिंडी

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच ग्रुप-ए का मुकाबला बारिश की वजह से रद्द कर दिया गया। रावलपिंडी में बारिश की वजह से टॉस तक नहीं हो सका। इसी के साथ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मेजबान पाकिस्तान के सफर का बुरा अंत हुआ है। टीम तीन में से एक भी मैच नहीं जीत पाई। गुरुवार को बारिश के कारण मैच रद्द होने की वजह से दोनों टीमों को एक-एक अंक तो मिला, लेकिन रिजवान की टीम ग्रुप-ए में आखिरी स्थान पर रही। बांग्लादेश ने उनसे ऊपर तीसरे स्थान पर रहते हुए सफर का अंत किया। ग्रुप-ए से भारत और न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। पाकिस्तान को न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, जबकि बांग्लादेश को भी इन्हीं दोनों टीमों के खिलाफ शिकस्त मिली।

नहीं पेश कर सका चुनौती

पाकिस्तान ने अपना पहला मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। इस मैच में कीवियों ने मेजबानों के खिलाफ 320 रनों का स्कोर खड़ा किया। दूसरे मैच में पाकिस्तान का सामना भारत से हुआ जिसमें टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। भारतीय गेंदबाजों ने पाकिस्तान को 241 रन के स्कोर पर ही रोका और लक्ष्य का पीछा करते हुए विराट कोहली ने सामने मोर्चा संभाला और 43.2 ओवर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। यूं तो पाकिस्तान की उम्मीदें दो मैच हारने के साथ ही खत्म हो गई थी, लेकिन उसकी संभावनाओं को पूरी तरह समाप्त न्यूजीलैंड की बांग्लादेश पर जीत ने कर दिया।

बनाया अनचाहा रिकॉर्ड

पाकिस्तान ने इसके साथ ही कुछ अनचाहे रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। 2009 के बाद यह पहली बार है जब चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबान टीम ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई है। आखिरी बार ऐसा दक्षिण अफ्रीका के साथ हुआ था जब टीम ने तीन में से दो मैच हारे और एक में उसे जीत मिली थी। दक्षिण अफ्रीका की टीम उस वक्त ग्रुप में सबसे नीचे रही थी।

चौथी टीम जो नहीं कर पाई खिताब का बचाव

इतना ही नहीं पाकिस्तान ऐसी चौथी टीम है जो चैंपियंस ट्रॉफी में खिताब का बचाव करने उतरी, लेकिन ग्रुप चरण में ही बाहर हो गई। पहली बार ऐसा 2004 में हुआ जब भारत और श्रीलंका ग्रुप चरण में ही बाहर हो गई थी। भारत और श्रीलंका 2002 में इस टूर्नामेंट के संयुक्त विजेता बने थे। आखिरी बार 2013 में ऐसा हुआ था जब गत चैंपियन टीम ग्रुप चरण में बाहर हो गई थी। उस वक्त ऑस्ट्रेलिया कोई मैच नहीं जीत सकी थी।

पाकिस्तानी संसद में उठेगा मेजबानों की हार का मुद्दा

लाहौर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ जल्द ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और टीम के खिलाड़ियों से चैंपियंस ट्रॉफी में मेजबानों के खराब प्रदर्शन पर चर्चा करेंगे। इसकी जानकारी राजनीतिक सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने दी। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान की सरकार टीम के जल्दी बाहर होने से खफा है। 29 साल बाद आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी कर रही पाकिस्तान की टीम को चैंपियंस ट्रॉफी में दो करारी हार का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने एक टीवी चैनल से बात करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन पर व्यक्तिगत रूप से बात करेंगे। वह क्रिकेट से जुड़े मुद्दों को कैबिनेट और संसद में उठाएंगे।

खबर संक्षेप

कप्तान के रूप में भविष्य पर करूंगा आकलन

लाहौर। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने अफगानिस्तान के खिलाफ हार के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद कहा कि टीम के कप्तान के रूप में अपने भविष्य पर फैसला करने से पहले वह अगले कुछ सप्ताह इस बात का विश्लेषण करने में बिताएंगे कि वह 'समस्या का हिस्सा हैं या समाधान का'। इंग्लैंड को 326 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आठ रन से हार का सामना करना पड़ा। बटलर के नेतृत्व में इंग्लैंड का यह लगातार तीसरा असफल आईसीसी टूर्नामेंट अभियान था। इससे पहले भारत में 2023 विश्व कप और अमेरिका तथा वेस्टइंडीज में 2024 टी20 विश्व कप में टीम को निराशा का सामना करना पड़ा।

आज मुंबई की नजरें बदला चुकता करने पर

बेंगलुरु। पूर्व चैंपियन मुंबई इंडियन्स की टीम शुक्रवार को यहां महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उतरेगी। तो उसकी नजरें लीग की शीर्ष दो टीम के बीच होने वाले इस मुकाबले को जीतकर पहले चरण में मिली हार का बदला चुकता करने और जीत का क्रम जारी रखने पर टिकी होंगी। इसी महीने वडोदरा में हुए चार मैच में सिर्फ दिल्ली की टीम मुंबई इंडियन्स को हराने में सफल रही थी और शुक्रवार को जब हरनमप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम मैदान पर उतरेगी तो इस हार का बदला चुकता करना चाहेगी।

बतौर कप्तान रोहित परिपक्व हो गए हैं

दुबई। पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का मानना है कि रोहित शर्मा पिछले कुछ वर्षों में कप्तान के रूप में परिपक्व हुए हैं और अपने साथियों के साथ उनका करीबी रिश्ता है जो भारतीय टीम के लिए अच्छा है। काफी समय तक रोहित के सलामी जोड़ीदार रहे धवन ने कहा कि मुंबई का यह बल्लेबाज टीम को संभालने के लिए काफी अनुभवी है। धवन ने कहा, '2013 से 2025 तक, 12 साल का अनुभव बहुत है। रोहित ने बहुत कुछ देखा है। वह जानता है कि दबाव की स्थिति में कैसे काम करना है, लड़कों को कैसे एकजुट करना है। एक कप्तान के रूप में वह परिपक्व हो गया है।'

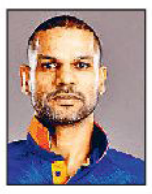

आईसीसी मैच रेफरी बून सीए बोर्ड में शामिल

मेलबर्न। पूर्व बल्लेबाज डेविड बून पाकिस्तान और दुबई में चल रही चैंपियंस ट्रॉफी के बाद आईसीसी मैच रेफरी के अपने मौजूदा पद को छोड़ देंगे और 28 मार्च से क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बोर्ड में शामिल होंगे। बून क्रिकेट तस्मानिया बोर्ड के अध्यक्ष हैं और सीए में निवर्तमान अध्यक्ष पॉल ग्रीन की जगह लेंगे। 'क्रिकेट.कॉम.एयू'ने सीए के अध्यक्ष माइक बेयर्ड के हवाले से कहा, 'मुझे बेहद खुशी है कि डेविड एक खिलाड़ी और क्रिकेट प्रशासक के रूप में अपने विशाल अनुभव को लेकर सीए बोर्ड में आएंगे।'

चैंपियंस ट्रॉफी : न्यूजीलैंड के खिलाफ 2 मार्च को अंतिम लीग मैच खेलेगी भारतीय टीम

जीत की हैट्रिक पर भारत की नजर, रोहित ने बनाई दूरी, विराट ने किया कड़ा अभ्यास

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में विजयी रथ पर सवार भारतीय टीम अपने आखिरी ग्रुप मैच में न्यूजीलैंड से टकराएगी। यह मुकाबला 2 मार्च को दुबई में खेला जाएगा। इस मैच से पहले भारतीय टीम ने गुरुवार को अभ्यास किया। चोटिल भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने नेट्स में बल्लेबाजी नहीं करने का विकल्प चुना। भारत ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद अकादमी मैदान में अंडर लाइट प्रशिक्षण लिया। शुभमन गिल ने अभ्यास नहीं कया, लेकिन उनकी फिटनेस को लेकर कोई चिंता नहीं है। रोहित शर्मा को हल्की फिटनेस ड्रिल करते देखा गया। भारतीय कप्तान ने नेट्स में बल्लेबाजी करने से परहेज किया। उन्होंने स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच के साथ काफी समय बिताया। पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान रोहित को हैमस्ट्रिंग चोट के कारण मैदान से बाहर रहे थे। पाकिस्तान की पारी के दौरान वह तकलीफ में नजर आए थे। उन्हें चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता पड़ी। हालांकि वह बल्लेबाजी करने आए और 15 गेंदों में 20 रन बनाए थे।

गौतम से की गंभीर चर्चा

नेट प्रैक्टिस छोड़ने के बावजूद रोहित ने भारत के प्रशिक्षण सत्र पर कड़ी नजर रखी। उन्होंने मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ लंबी चर्चा की और टेनिस रैकेट का उपयोग करके हल्के-फुल्के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी भाग लिया। कोच मोर्ने मोर्कल फिर से टीम में शामिल हो गए हैं। मोर्कल ने टीम के साथ दुबई की यात्रा की थी, लेकिन फैमिली इमरजेंसी के कारण उन्हें साउथ अफ्रीका वापस जाना पड़ा था।

कोहली में दिखी रन की भूख

पाकिस्तान के खिलाफ मैच विनिंग शतक के बाद विराट कोहली ने नेट्स पर स्पिनर्स का सामना किया। इस दौरान उनके अंदर रन की भूख नजर आई। विराट ने ट्रेनिंग सत्र के दौरान कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा जैसे गेंदबाजों का तो सामना किया है, साथ में उन्होंने अन्य नेट गेंदबाजों को बुलाकर उनका भी सामना किया। तेज गेंदबाजों में मोहम्मद शमी को भी पूरे दमखम के साथ गेंदबाजी करते देखा गया। पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान शमी भी परेशानी में दिखे थे।

पंत को मिल सकता है मौका

खबरों की मानें तो दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की धीमी और निचली सतहों के विपरीत, भारत ने घास से भरपूर पिच पर प्रशिक्षण लिया। ऋषभ पंत ने भी काफी अभ्यास किया। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने नेट्स में कोहली के साथ प्रशिक्षण लिया। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं सेमीफाइनल में पहुंच चुकी भारतीय टीम अगले मैच में पंत को मौका दे सकती है।

शमी ने कोहली को किया परेशान

शमी ने कोहली को गेंदबाजी करते हुए गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराया। उनकी गेंद दो बार जाकर कोहली के पैड पर भी लगी। वहीं, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह भी सत्र के दौरान अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रतिबद्ध दिखे। मोर्कल की निगरानी में सभी गेंदबाज न्यूजीलैंड की चुनौती के लिए तैयार दिखे। मोर्कल को मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ लंबी बातचीत करते हुए देखा गया। शुभमन गिल, जो टूर्नामेंट में भारत के स्टैंड आउट बल्लेबाज रहे हैं, एकमात्र ऐसे बल्लेबाज थे जो अभ्यास सत्र के लिए नहीं आए।

रणजी ट्रॉफी फाइनल

विदर्भ के खिलाफ केरल का स्कोर 131/3, सरवटे की तूफानी फिफ्टी

एजेंसी ▶▶| नागपुर

आदित्य सरवटे के नाबाद 66 रन की मदद से केरल ने रणजी ट्रॉफी फाइनल में विदर्भ के पहली पारी के 379 रन के जवाब में दूसरे दिन गुरुवार को तीन विकेट पर 131 रन बना लिए।

केरल की टीम अभी भी पहली पारी में 248 रन पीछे है। स्थानीय सितारे सरवटे ने उम्दा पारी खेलकर केरल को मजबूत स्कोर की नींव दी जबकि गेंदबाजों ने इससे पहले विदर्भ को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। पहले दिन चार विकेट पर 254 रन बनाने वाली विदर्भ टीम की नजरें 450 के आसपास के स्कोर पर थी लेकिन केरल के गेंदबाजों ने उसे 400 के भीतर रोक दिया। विदर्भ के लिए दानिश मालेवार ने 153 और करुण नायर ने 86 रन बनाए। दूसरे दिन पहले सत्र में केरल के गेंदबाजों ने अपनी लय कायम रखी। तेज गेंदबाज एम डी निधीश ने 61 रन देकर और ईडन एपल टॉम ने 102 रन देकर तीन तीन विकेट लिए। एन एम बासिल को दो विकेट मिले। बासिल ने मालेवार की पारी का अंत करके सुबह केरल को पहली सफलता दिलाई। मालेवार ने 285 गेंद में 153 रन बनाए जिसमें 15 चौके और तीन छक्के शामिल हैं।

टखने के दर्द के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से हटा

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान में चल रही चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर रहने के उनके फैसले के पीछे मुख्य कारण टखने का दर्द है। हाल ही में श्रीलंका में श्रृंखला के दौरान टखने में दर्द के अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने यह भी कहा था कि उनके फैसले के पीछे कुछ 'व्यक्तिगत विचार' भी थे। स्टार्क ने कहा, 'कुछ अलग-अलग कारण हैं, कुछ व्यक्तिगत विचार हैं। टेस्ट श्रृंखला के दौरान मेरे टखने में थोड़ा दर्द था इसलिए मुझे बस इसे ठीक करने की जरूरत है।'

प्राग मास्टर्स शतरंज

प्रज्ञानानंदा ने नवारा से ड्रॉ खेला अरविंद की बाजी भी बराबर रही

एजेंसी ▶▶| प्राग

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने यहां प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में चेक गणराज्य के स्टार डेविड नवारा से ड्रॉ खेला जबकि अरविंद चिदंबरम ने भी स्थानीय दावेदार एनगुएन थाइ डेइ वान के साथ अंक बांटे।

विश्व चैंपियनशिप के दौरान डी गुकेश की टीम का हिस्सा रहे जर्मनी के विन्सेंट केमर ने टूर्नामेंट का पहला उलटफेर करते हुए चीन के शीर्ष वरीय वेई यी को हराया। अमेरिका के सैम शेंकलैंड भी जीत दर्ज करने में सफल रहे। उन्होंने तुर्की के गुरेल एडिस को शिकस्त दी। वियतनाम के कुआंग लिएम ली और नीदरलैंड के अनीष गिरी की बाजी ड्रॉ रही। पहले दौर के बाद केमर और शेंकलैंड एक अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। प्रज्ञानानंदा, अरविंद, गिरी, लिएम ली, डेइ वान और नवारा आधे अंक के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। इस बीच चैलेंजर वर्ग में चुनौती पेश कर रही एकमात्र महिला और एकमात्र भारतीय खिलाड़ी दिव्या देशमुख को स्पेन के इवान सेलगाडो लोपेज के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

वाणी ने महिला पीजीटी का जीता चौथा चरण

मुंबई। वाणी कपूर ने अंतिम दौर में एक अंडर 69 के स्कोर से बृहस्पतिवार को यहां महिला पेशेवर गोल्फ टूर के चौथे चरण का खिताब जीता। वाणी का कुल स्कोर एक ओवर 211 रहा। यह वाणी की 2024 सत्र के 12वें चरण के बाद पहली जीत है। वाणी ने 11वें और 13वें होल में बर्डी की और इस समय वह दो एमेच्योर खिलाड़ियों सानवी सोमू और अनुराधा चौधरी से पीछे थीं। सानवी कल तक शीर्ष पर थीं। वाणी ने इसके बाद वापसी करते हुए 15वें होल में बर्डी की जबकि इसी होल में अनुराधा ने बोगी की। इससे अनुराधा एक शॉट की बढ़त गंवाकर एक शॉट से पीछे हो गईं। सानवी ने भी 15वें, 17वें और 18वें होल में बोगी की। अनुराधा ने दो ओवर के कुल स्कोर से दूसरा स्थान हासिल किया जबकि सानवी तीन ओवर के स्कोर से संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं। स्नेहा सिंह (66) और रिद्धिमा दिलावरी (67) ने भी संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया।

कप्तान गार्डनर के अर्धशतक से जायंट्स ने आरसीबी को हराया

बेंगलुरु। कप्तान एशली गार्डनर की अर्धशतकीय पारी से गुजरात जायंट्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टी20 मैच में बृहस्पतिवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को छह विकेट से हराकर मौजूदा सत्र में दूसरी जीत दर्ज की। आरसीबी को सात विकेट पर 125 रन पर रोकने के बाद गुजरात की टीम ने 16.3 ओवर में चार विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। गार्डनर ने 31 गेंद में 58 रन की पारी में छह चौके और तीन छक्के जड़े। गार्डनर ने फोबे लिचफील्ड (नाबाद 30) के साथ चौथे विकेट के लिए 36 गेंद में 51 रन की साझेदारी कर मैच को आरसीबी की पकड़ से दूर कर दिया। आरसीबी की यह लगातार तीसरी हार है। आरसीबी के लिए रेणुका सिंह ठाकुर और जॉर्जिया वेरहैम ने दो-दो विकेट चटकाये। इससे पहले डिएंड्रा डॉटिन (31 रन पर दो विकेट) और बायें हाथ की स्पिनर तनुजा कंवर (16 रन पर दो विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से गुजरात की टीम ने आरसीबी को उसके सबसे कम स्कोर के बराबरी पर रोक दिया। आरसीबी के लिए कनिका आहूजा (28 गेंदों पर 33 रन) और राघवी बिष्ट (19 गेंदों पर 22 रन) ने चौथे विकेट के लिए 37 गेंद में 48 रन जोड़े। लक्ष्य का पीछा करते हुए बेथ मूनी और दयालन हेमलता ने शुरुआती ओवरों में संभल का बल्लेबाजी की।

2025 धोनी का आखिरी आईपीएल! खास 'कोड' के साथ चेन्नई पहुंचे माही

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने अपने आईपीएल भविष्य पर एक क्रिप्टिक मैसेज के साथ इंटरनेट पर तहलका दिया है। आईपीएल 2025 से पहले वह अपनी टीम के साथ जुड़ने के लिए चेन्नई पहुंचे। हालांकि, उनके वहां पहुंचने से ज्यादा चर्चा उनकी टी-शर्ट की हो रही है। सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि टी-शर्ट पर कोड के रूप में एक क्रिप्टिक मैसेज था जो बताता है कि आईपीएल 2025 उनका आखिरी आईपीएल होगा। फैंस ने टी-शर्ट पर संदेश को डिकोड कर पर सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीर भी साझा की है। फैंस का कहना है कि यह एक मोर्स कोड है जिसका अनुवाद 'एक आखिरी बार' (वन लास्ट टाइम) है। धोनी हाल ही में जियो हॉटस्टार

स्टूडियो में अभिनेता सनी देओल के साथ भारत-पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी मैच देखते दिखे थे। उससे पहले वह संजू सैमसन के साथ एक कार्यक्रम का भी हिस्सा बने थे। इससे पहले धोनी ने कहा था कि फिट रहने और आईपीएल के दो महीने के लिए तैयार रहने के लिए काफी कड़ी मेहनत करनी पड़ती है।

तरुण, उन्नति, रक्षिता क्वार्टर फाइनल में

मुलहेम एन डेर रूर (जर्मनी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी थारुन मन्नेपल्ली, उन्नति हुड्डा और रक्षिता श्री संतोष रामराज गुरुवार को जर्मन ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। राष्ट्रीय खेलों (2023) के स्वर्ण पदक विजेता मन्नेपल्ली को कनाडा के आठवीं वरीयता प्राप्त ब्रायन यांग को 21-14, 15-21, 21-17 से हराने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। उन्नति ने जापान की असुका ताकाहाशी को 21-13, 21-19 से आसानी से हराया। रक्षिता भी हांगकांग की लो सिन यान हैप्पी पर जीत हासिल कर अगले दौर में पहुंचने में सफल रही। युगल में आठवीं वरीयता प्राप्त ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने जर्मनी के जोन्स राल्फी जानसन और थुक फुओंग गुयेन को 21-10, 21-19 से हराया। प्रियांशु रजावत, किरण जॉर्ज और आकर्षि कश्यप को एकल में हालांकि हार का सामना करना पड़ा। मिश्रित युगल में अशीथ सूर्या और अमृता प्रमथेश की भारतीय जोड़ी को भी शिकस्त झेलनी पड़ी।

दो बार का पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 15 साल बाद चैंपियन बनने को आतुर

ऑस्ट्रेलिया-अफगानिस्तान मैच का विजेता खेलेगा सेमीफाइनल

एजेंसी ▶▶| लाहौर

क्रिकेट इतिहास की सबसे सफल टीम ऑस्ट्रेलिया और शीर्ष टीमों के बीच तेजी से अपनी जगह बना रहा अफगानिस्तान शुक्रवार को जब यहां चैंपियंस ट्रॉफी में आमने-सामने होंगे तो दोनों सेमीफाइनल में जगह पक्की करना चाहेंगे।

बुधवार को गद्दाफी स्टेडियम में इंग्लैंड पर आठ रन की यादगार जीत के बाद अफगानिस्तान के पास लगातार दूसरी बार किसी वैश्विक प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाने का अच्छा मौका है। टीम ने एक साल से भी कम समय पहले अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप के अंतिम चार चरण में

प्रवेश किया था। ऑस्ट्रेलिया भी जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा और अफगानिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा। हालांकि यह कहना जितना आसान है, करना उतना ही मुश्किल है। ऑस्ट्रेलिया का बल्लेबाजी क्रम भले ही बेहद मजबूत हो लेकिन टीम अपने तीन प्रमुख तेज गेंदबाजों मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस और जोश हेजलवुड के बिना खेल रही है।

दो बार का पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 15 साल के अंतराल के बाद चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब फिर से हासिल करना चाहेगा। शीर्ष तेज गेंदबाजों की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया जानता है कि उसकी ताकत बल्लेबाजी में है। टीम के पास ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशेन और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ी हैं जो विपक्षी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करने में सक्षम हैं।

मजबूत गेंदबाजी आक्रमण

जहां तक अफगानिस्तान का सवाल है तो उनकी बल्लेबाजी की अगुआई सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान करेंगे जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 177 रन की पारी खेली जो अब चैंपियंस ट्रॉफी में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। पिछले साल टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान से हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया अपने प्रतिद्वंद्वियों को हल्के में नहीं लेगा और अफगानिस्तान के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट ने इंग्लैंड पर जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात स्वीकार की। लेकिन ट्रॉट के पास चिंता करने की कोई वजह नहीं है क्योंकि उनके पास अजमतुल्लाह उमरजई की अगुआई में मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है। टीम के पास राशिद खान, मोहम्मद नबी और नूर अहमद की स्पिन तिकड़ी भी है।

आध्यात्मिक शांति, आस्था और परंपरा के 'महाकुंभ' का सात समंदर पार हो रहा गुणगान

एजेंसी ⏭ प्रयागराज

धर्म,संस्कृति और परंपराओं से भारत की पावन भूमि बेहद समृद्ध है। इसे जानने और समझने के लिए सात समंदर पार से भी लोग खिंचे चले आते हैं। हाल ही में प्रयागराज में संपन्न हुए महाकुंभ मेले में सैकड़ों विदेशी महमानों ने संगम में डुबकी लगाई। अब स्थिति ये है कि मेले की व्यवस्था, परंपरा और आध्यात्मिक शांति को लेकर पूरी दुनिया में चर्चा होना शुरु हो गए है। इस शोध और वर्कशॉप जैसे आयोजन भी शुरु हुए हैं। न्यूयार्क में भारत के वाणिज्य दूतावास ने एक विशेष चर्चा का आयोजन किया, जिसका शीर्षक था, 'इनसाइट्स फ्रॉम द वर्ल्ड्स लार्जेस्ट स्प्रिचुअल गैदरिंग- महाकुंभ।' आयोजन में प्रोफेसर तरुण खन्ना, प्रोफेसर डायना ईक और सहायक प्रोफेसर टियोना जुजुल शामिल थीं।

न्यूयॉर्क में जानकारों ने महाकुंभ को सराहा

दयालुता हमारा सबसे बड़ा सबकः एना

मैक्सिको और अमेरिका से आए एक समूह ने भी त्रिवेणी संगम में स्नान किया। समूह की एक सदस्य एना ने कहा कि मैं अपने समुदाय के एक समूह के साथ यहां आई हूं। हमारे ग्रुप में मैक्सिको, कोलंबिया और इटली के लोग शामिल हैं। इतनी भक्ति को देखकर 'वाह' जैसा अहसास हो रहा है। हमने यहां लोगों की दयालुता देखी। हर कोई बहुत स्वागत करने वाला है।

अपने देश में दिखा रहे वीडियो : डेनियल

ब्राजील से आई डेनियल ने उत्साह से कहा कि यह एक अद्भुत और अविस्मरणीय अनुभव है। हम बहुत दूर से आए है और वीडियो अपने लोगों और देश को दिखाने के लिए उत्साहित हैं। पूरा कुंभ मेला कमाल का है। लोग बहुत दोस्ताना और स्वागत करने वाले हैं।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल (23 फरवरी 2025)

अमेरिकी अखबार ने कहा कि महाकुंभ मेले में अमेरिका की पूरी आबादी से ज्यादा तीर्थयात्री पहुंचे। पिछले छह सप्ताह में आधा अरब से अधिक लोग आए। श्रद्धालुओं का मानना है कि महाकुंभ में डुबकी लगाने से पाप मिट जाते हैं। लोगों को मोक्ष मिल जाता है। अमेरिकी अखबार ने कहा कि हिंदू मान्यताओं के अनुसार, देवताओं और राक्षसों के बीच अमृत के लिए लड़ाई हुई तो इस दौरान अमृत की चार बूंदे धरती के चार अलग-अलग जगहों पर गिरी।

फ्रांस 24 (26 फरवरी 2025)

भगदड़ की दो घटनाओं के बाद भी उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ का पीएम मोदी की हिंदूओं ने एक जीत के तौर पर स्वागत किया। हिंदू संरक्षक के तौर पर गढ़ी गई पीएम मोदी की छवि को इससे और बल मिला है। पीएम मोदी और उनके सहयोगी योगी आदित्यनाथ का कहना है कि हजारों वर्ष पुराना ये मेला अब तक का सबसे भव्य मेला है।

सीएनएन (25 फरवरी)

अमेरिका के सबसे बड़े टीवी चैनल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बुधवार को दुनिया के सबसे बड़े समागम के समापन पर करोड़ों लोगों ने पवित्र नदी में स्नान किया। पिछले 45 दिन में करीब 67 करोड़ लोग कुंभ के उत्सव में शामिल हुए। रंगों और आस्था के त्योहार का ये नजारा बहुत खास है। महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक लोग गंगा, यमुना और सरस्वती के त्रिवेणी संगम में स्नान करने आए।

डॉन न्यूज (13 जनवरी 2025)

कुंभ मेला उत्सव शुरू होने के साथ विशाल जनसमूह ने सोमवार को पवित्र जल में स्नान किया। आयोजनों को अनुमान है कि कार्यक्रम में 400 मिलियन लोगों के आने की उम्मीद है। ये मानवता का सबसे बड़ा आयोजन है। हजारों साल पुराना महाकुंभ धार्मिक श्रद्धा और अनुष्ठानिक स्नान का प्रदर्शन है। हालांकि, इसमें बहुत बड़ी चुनौती है।

द डेली गजट (26 फरवरी 2025)

अमेरिका अखबार ने कहा कि पीएम मोदी और उनके सहयोगी और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ दोनों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। पीएम मोदी ने उस स्थान पर स्नान किया, जहां गंगा और यमुना का जल आकर मिलता है। बुधवार को शिवरात्रि के त्योहार के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

नेशनल जियोग्राफिक (19 फरवरी 2025)

भारत में गंगा नदी चमकीले रंग से सराबोर क्योंकि लाखों हिंदू तीर्थयात्री इसमें डुबकी लगा रहे हैं और भक्ति की निशानी के रूप में गेंदे के पुष्प अर्पित कर रहे हैं। शाम के वक्त महाकुंभ में मंत्रमुग्ध करने वाला संगीत बजता है। दिन में वहां मंत्रोच्चार होता है। महाकुंभ में इस वर्ष 40 करोड़ लोगों के आने की उम्मीद है।

हफ पोस्ट (चार फरवरी 2025)

ये एक अमेरिकी वेबसाइट है। कुंभ मेला भारत के चार पवित्र शहर प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में आयोजित होने वाला तीर्थ मेला है। हर स्थान का आध्यात्मिक और पौराणिक महत्त्व है। महाकुंभ चार जगहों पर हर 12 साल में मनाया जाता है।

यूका मामला : सुप्रीम कोर्ट ने पीथमपुर में रासायनिक कचरा जलाने पर दायर याचिका की खारिज

कचरा पीथमपुर में ही जलेगा, सुप्रीम कोर्ट का रोक से इनकार, ट्रायल शुरू

हाईकोर्ट ने कचरा निपटान के पूरे मुद्दे पर विचार करने के लिए 15 तकनीकी सदस्यों वाली एक टास्क फोर्स समिति गठित की है। 2013 और 2015 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दो परीक्षण किए गए, जो सफल रहे

कचरा जलाने के ट्रायल को लेकर प्रशासन सतर्क

धार/भोपाल

भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के रासायनिक कचरे को पीथमपुर में जलाने से रोकने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को इस मामले की सुनवाई हुई।

कोर्ट ने कहा की याचिकाकर्ताओं के सभी पक्षों को हाईकोर्ट ने सुन लिया है। फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट इस मामले में कोई सुनवाई नहीं करेगा। कोर्ट के इस रुख के बाद पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के रासायनिक कचरे के निष्पादन का ट्रायल शुरू होगा। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की टीम रामकी एनवायरो कंपनी में मौजूद है।

फैक्ट्री के पास 24 थानों की पुलिस फोर्स तैनात

सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की टीम रामकी एनवायरो कंपनी में मौजूद

फैक्ट्री में कचरा जलाने का दूसरा ट्रायल 4 और तीसरा 12 मार्च से शुरू होगा

हाईकोर्ट मामले में बेहतर ढंग से निपट रहा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट द्वारा गठित टास्क फोर्स समिति में राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान, एनजीआरआई और सीपीसीबी जैसे उच्च स्तरीय तकनीकी विशेषज्ञ निकाय शामिल थे। इनकी रिपोर्ट के आधार पर हाईकोर्ट इस मामले से बेहतर ढंग से निपट रहा है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा कचरा निपटान से निपटने के सुस्त तरीके को गंभीरता से लिया। हाईकोर्ट मामले की निगरानी कर रहा है। इसलिए हमें इस विवादित आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखता।

दो ट्रायल रन का भी संज्ञान लिया

सुप्रीम कोर्ट ने 2013 और 2015 में हुए दो ट्रायल रन का भी संज्ञान लिया। सीपीसीबी के टेस्ट रिपोर्ट्स का अवलोकन भी किया। उसके आधार पर डबल बेंच ने पिटिशन को डिस्पोज किया। अगर याचिकाकर्ता को किसी तरीके से कोई भी तथ्य या आपत्ति रखना है तो एमपी हाईकोर्ट में दे सकते हैं।

दो परीक्षण किए गए, जो सफल रहे

सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए इस मामले को डिस्पोज ऑफ किया कि मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में पहले ही यह मामला विचाराधीन है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की डबल बेंच के सामने सीनियर एडवोकेट देवदत्त कामत ने बताया कि हाईकोर्ट ने कचरा निपटान के पूरे मुद्दे पर विचार करने के लिए 15 तकनीकी सदस्यों वाली एक टास्क फोर्स समिति गठित की है। 2013 और 2015 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दो परीक्षण किए गए जो सफल रहे। भोपाल गैस कांड पीड़ितों के लिए काम करने वाले एक संगठन की ओर से पेश हुए एक अन्य वकील ने कहा कि विचाराधीन प्लांट में जहरीली गैसों को ध्यान में नहीं रखा गया है। संगठन के पास बेहतर वैकल्पिक उपाय है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें एमपी हाईकोर्ट और मध्य प्रदेश सरकार के सामने रखने की भी स्वतंत्रता दी।

पवन कल्याण पर टिप्पणी एक्टर मुरली गिरफ्तार

हैदराबाद। तेलुगू अभिनेता-स्क्रीनराइटर और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेता पोसानी कृष्ण मुरली को आंध्र प्रदेश पुलिस ने बुधवार को हैदराबाद स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। पोसानी पर आंध्र प्रदेश के कैबिनेट मंत्री पवन कल्याण, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और मंत्री नारा लोकेश के पर कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगा है। गिरफ्तारी के वक्त पोसानी ने पुलिस की टीम पर आपत्ति जताई जिसका वीडियो सामने आया है। वीडियो में मुरली को गिरफ्तारी का विरोध करते और पुलिसकर्मियों के साथ तीखी बहस करते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में मुरली पुलिसकर्मियों से कहते हुए नजर आ रहे हैं कि वह उनके साथ थाने नहीं जाएंगे।

हैकमैन और पत्नी की संदिग्ध मौत, घर में मृत मिले

मैक्सिको। हॉलीवुड जगत से चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। मशहूर अभिनेता जीन हैकमैन और उनकी पत्नी बेट्सी, न्यू मैक्सिको स्थित अपने घर में मृत पाए गए हैं। 95 वर्षीय एक्टर जीन हैकमैन और उनकी पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की खबर ने सभी को हैरान कर दिया है। ऑस्कर विजेता मशहूर अभिनेता जीन हैकमैन और उनकी पत्नी कल बुधवार को अपने न्यू मैक्सिको स्थित घर में मृत पाए गए।

डीएनपीए को भेजे संदेश में बोले वैष्णव

परिवर्तन के दौर में महत्वपूर्ण रूप से उभरा डिजिटल मीडिया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मोदी सरकार के मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन को डीएनपीए कॉन्क्लेव 2025 आयोजन के लिए बधाई दी। डीएनपीए कॉन्क्लेव 2025 का अयोजन 27 फरवरी को नई दिल्ली में किया गया। डीएनपीए प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के भारत के शीर्ष 18 प्रकाशकों की डिजिटल इकाईयों का संगठन है। सम्मेलन के लिए अपने संदेश में सूचना और प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि डीएनपीए में अपने सभी सहयोगियों को बधाई देता हूं।

युवाओं ने डिजिटल मीडिया को पूरी तरह अपनाया

आपके प्रयास प्रशंसनीय हैं। यह एक शानदार सम्मेलन है। इसके माध्यम से आज के डिजिटल मीडिया परिदृश्य और आगे बढ़ती दुनिया में पारंपरिक से नए मीडिया में परिवर्तन पर बेहतरीन चर्चाएं होंगी। मैं निश्चित रूप से जानना चाहूंगा कि इन चर्चाओं से क्या सुझाव सामने आते हैं। केंद्रीय मंत्री ने अपने संदेश में कहा कि आज मीडिया जगत एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। पारंपरिक मीडिया के साथ-साथ डिजिटल मीडिया भी महत्वपूर्ण रूप से उभरा है। इसमें अखबार और टेलीविजन जैसे प्रमुख माध्यम शामिल हैं। कई क्षेत्रों में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। खासकर युवा पीढ़ी ने डिजिटल मीडिया को पूरी तरह से अपना लिया है।

मीडिया का स्वरूप नाटकीय रूप से बदला

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूरा देश मीडिया को बड़ी जिम्मेदारी के साथ देखता है और उम्मीद है कि इस सम्मेलन से इसे बेहतर बनाने के बारे में बहुमूल्य सुझाव आएंगे। पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर मीडिया का स्वरूप नाटकीय रूप से बदला है। ऐसे में मीडिया क्षेत्र पहले से कहीं अधिक विकसित हो रहा है।

अमेरिका के नए नागरिकता कानून में भारत को मिलेगी विशेष छूट

वाशिंगटन। अमेरिका में नए नागरिकता कानून को लेकर वैश्विक स्तर पर हलचल मची हुई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रवासियों के लिए जन्म के आधार पर मिलने वाली नागरिकता समाप्त करने का निर्णय लिया है। हालांकि, भारतीय नागरिकों के लिए एक विशेष छूट प्रदान की गई है। ट्रंप ने खुद इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि प्रस्तावित 'गोल्ड कार्ड' योजना के तहत अमेरिकी कंपनियों को हार्वर्ड और स्टैनफोर्ड जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से भारतीय स्नातकों को नियुक्त करने की सुविधा मिलेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को अमीर विदेशी नागरिकों के लिए एक नई पहल 'गोल्ड कार्ड' लॉन्च की।

डब्ल्यूटीसी बिल्डर और भूटानी ग्रुप से जुड़े 12 ठिकानों पर छापे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को बड़ा एक्शन लिया। जांच एजेंसी ने डब्ल्यूटीसी बिल्डर और भूटानी ग्रुप से जुड़े 12 ठिकानों पर छापेमारी की है। ये छापेमारी दिल्ली, नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम में हुई है। बताया जा रहा है कि निवेशकों से धोखाधड़ी के मामले में ये एक्शन लिया गया है। बताया जा रहा है कि ईडी डब्ल्यूटीसी बिल्डर के दफ्तरों, इसके प्रमोटर आशीष भल्ला और भूटानी ग्रुप के 12 ठिकानों पर सर्च कर रही है। ये ठिकाने दिल्ली, नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम में हैं।

डब्ल्यूटीसी ग्रुप के फरीदाबाद, नोएडा और आसपास के क्षेत्रों में कई प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं। आरोप है कि ग्रुप ने निवेशकों से 1000 करोड़ रुपए से अधिक जुटाए हैं और पिछले 10-12 सालों में प्रोजेक्ट्स पूरे नहीं हुए।

अनीता ने कहा पीएम की रेस में मैं नहीं

टोरंटो। जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद सभी की नजर कनाडा के अगले प्रधानमंत्री पर है। कनाडा की बागडोर अब कौन संभालेगा? इसका फैसला आगामी चुनाव में होगा। हालांकि चुनाव से पहले पीएम पद के लिए कई लोगों के नाम सामने आ रहे हैं। वहीं भारतीय मूल की अनीता आनंद ने भी अपना मन बदल लिया है। दरअसल अनीता आनंद ने पहले जस्टिन ट्रूडो की जगह लेने से साफ इनकार कर दिया था। उनका कहना था कि वो प्रधानमंत्री पद की रेस में शामिल नहीं हैं। मगर अब खबरों की मानें तो अनीता आनंद ने अपना मन बदल लिया है और वो पीएम पद का चेहरा बनने के लिए तैयार हैं।

पुणे में सरकारी बस में रेप केस का आरोपी अरेस्ट

पुणे में खड़ी बस में 26 साल की महिला के साथ हुए रेप का आरोपी महाराष्ट्र के शिरूर से गुरुवार देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। क्राइम ब्रांच पुणे के DCP निखिल पिंगले ने बताया- गांव के एक बाग (फार्म) से आरोपी को रात 1:30 बजे गिरफ्तार किया गया।

DCP पिंगले ने कहा कि गिरफ्तारी की पूरे प्रोसेस में गांव के लोग हमसे जुड़े हुए थे। गांववालों ने आरोपी को पहचान लिया और पुलिस को इसकी जानकारी दी। साथ ही पकड़ने में भी मदद की। आरोपी को आगे की जांच के लिए पुणे भेज दिया गया है।

आरोपी दत्तात्रेय रामदास गडे ने 25 फरवरी को सरकारी स्वारगेट डिपो में इस वारदात को अंजाम दिया था। उस पर 1 लाख रुपए का इनाम था। घटना के बाद महाराष्ट्र के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर प्रताप सरनाइक ने असिस्टेंट ट्रांसपोर्ट सुपरिटेंडेंट और बस डिपो मैनेजर के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने पर इन्हें सस्पेंड किया जाएगा। उन्होंने बस डिपो पर तैनात पुराने सुरक्षाकर्मियों को हटाने का भी निर्देश दिया।

पुणे सिटी पुलिस ने बताया कि क्राइम ब्रांच यूनिट की 8 टीमें और स्वारगेट पुलिस स्टेशन की 5 टीमें आरोपी की तलाश कर रही थीं। टीमों को जिले से बाहर भी भेजा गया राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकनकर ने कहा- घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। पुलिस ने शिकायत पर फौरन कार्रवाई की है।

घटना के विरोध में शिवसेना (UBT) ने बुधवार से स्वारगेट बस डिपो पर तोड़फोड़ की थी।

भारत 25 वर्षों में 3 ट्रिलियन डॉलर से 13 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा

भारत का ग्रोथ मॉडल अन्य देशों में बन सकता है विकास का टेंपलेट : सीईए

केंद्र सरकार को 10 साल और ऐसे ही प्रयास करने होंगे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

लोकतांत्रिक और संघीय शासन संरचना में रहते हुए भारत की विकास यात्रा अन्य देशों के लिए एक मॉडल है। यह बयान भारत के चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर (सीईए), डॉ. वी.अनंत नागेश्वरन ने दिया।

दक्षिण अफ्रीकन और भारतीय बिजनेस लीडर्स के सेमिनार में बोलते हुए नागेश्वरन ने कहा कि भारत सबसे बड़ी आबादी वाला देश है जो लोकतांत्रिक राजनीति और संघीय शासन संरचना के रहते हुए खुद को एक विकसित राष्ट्र में बदलने की कोशिश कर रहा है। इस कारण भारत का अनुभव दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों के लिए बहुत उपयोगी टेम्पलेट होंगे। नागेश्वरन ने विकसित भारत विजन के बारे में भी चर्चा की और कहा कि भारत अगले 25 वर्षों में 3 ट्रिलियन डॉलर से 13 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

देश अपने इस लक्ष्य के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर, डिरेगुलेशन और शिक्षा में निवेश के जरिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जब हमारे पास अर्थव्यवस्था के लिए लक्ष्य होते हैं, तो हमें याद रखना चाहिए कि ये परिणाम हमारे नियंत्रण से परे विभिन्न कारकों से प्रभावित होते हैं।

विकसित भारत को प्राप्त करने के लिए हम जो प्रयास कर सकते हैं, केवल वही हमारे नियंत्रण में है। नागेश्वरन के मुताबिक, परिणाम वैश्विक कारकों के अधीन होंगे, लेकिन भारत सरकार ने पिछले दस वर्षों में जो करने की कोशिश कर रही है। उसे अगले दस वर्षों में भी करना जारी रखेगी। हम उन बिल्डिंग ब्लॉक्स को स्थापित कर रहे हैं जो हमें विकसित भारत तक ले जाएंगे।

हमें खुले विचारों वाला बनने की जरूरत

डॉ. नागेश्वरन ने नए वैश्विक परिवेश में देशों के बीच साझेदारी के लिए बदले हुए दृष्टिकोण की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद किसी भी समय देशों को एक-दूसरे पर इतना निर्भर रहने की जरूरत नहीं पड़ी, जितनी अब है। हमें खुले विचारों वाला बनने की जरूरत है। साथ ही हम साझेदारी बनाने में विकल्प नहीं चुन सकते बल्कि अवसरवादी बन सकते हैं क्योंकि दुनिया अब मंथन के दौर में है। वहीं भारत के उच्चायुक्त प्रभात कुमार ने कहा कि भारत वर्तमान में चीन और अमेरिका के बाद दक्षिण अफ्रीका का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, लेकिन दूसरे स्थान पर पहुंचने की ओर अग्रसर है।उन्होंने कहा कि जर्मनी और भारत उस स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। चीन का आकार बहुत बड़ा है, लेकिन निकट भविष्य में हम शायद निर्यात और आयात दोनों में नंबर दो बन सकते हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,